CMYK

The Public Hub

वर्ष 1 अंक : 2 ₹ 4.00 पृष्ठ-8

www.thepublichub.in | जयपुर बुधवार 11 फरवरी, 2026

पेज 7 | स्पोर्ट्स

12वें आरआईएफएफ में रजत कपूर और मुकेश ... | 3

विधानसभा में सीएम भजनलाल का 'शक्ति प्रदर्शन'

2 साल का काम बनाम 5 साल का हिसाब, खुली बहस की चुनौती स्वीकार

सदन में पहली बार रखा उपलब्धियों का ऐतिहासिक दस्तावेज, मुख्यमंत्री बोले- 'सत्ता थी तो मुंह में माखन था, अब सत्ता गई तो ज्ञान की मटकी भर गई'

जयपुर (विशेष संवाददाता)। राजस्थान विधानसभा में गुरुवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्यपाल के अभिभाषण पर बहस का जवाब देते हुए आक्रामक तेवर दिखाए। मुख्यमंत्री ने विपक्ष की '2 साल बनाम 5 साल' की चुनौती को न केवल स्वीकार किया, बल्कि सदन के पटल पर सरकार की दो वर्ष की उपलब्धियों का तुलनात्मक दस्तावेज रखकर अपनी सरकार को पूर्ववर्ती सरकार से हर मोर्चे पर बेहतर बताया। मुख्यमंत्री के कड़े प्रहारों और विपक्ष के हंगामे के बीच सदन की कार्यवाही 11 फरवरी तक के लिए स्थगित कर दी गई।तीखे कटाक्ष: 'घी पीने वाले अब उपदेश दे रहे 'मुख्यमंत्री ने पेपरलीक और भ्रष्टाचार के मुद्दे पर कांग्रेस और पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा को आड़े हाथों लिया। डोटासरा का नाम लिए बिना उन्होंने कहा:तंज: 'कल तक जो लोग 'घी' पीने में व्यस्त थे, वे आज भ्रष्टाचार और नैतिकता पर उपदेश दे रहे हैं। जब सत्ता हाथ में थी तब मुंह में माखन था, अब सत्ता गई तो ज्ञान की मटकी भर गई। 'ईमानदारी: 'ईमानदारी कोई रिटायरमेंट के बाद की योजना नहीं है, यह कुर्सी पर बैठकर दिखाई जाती है। युवाओं को भाषण नहीं, निष्पक्ष परीक्षाएं चाहिए। 'आंकड़ों की जुबानी: 2 साल बनाम 5 सालमुख्यमंत्री ने दावा किया कि उनकी सरकार ने मात्र दो वर्षों में

पूर्ववर्ती सरकार के पांच साल के कार्यकाल से कहीं अधिक कार्य किए हैं।

उन्होंने निम्नलिखित तुलनात्मक आंकड़े पेश किए : क्षेत्र पूर्ववर्ती सरकार (5 वर्ष) वर्तमान सरकार (2 वर्ष) सड़क निर्माण 13,160 किमी 16,430 किमी, बिजली उत्पादन क्षमता 3,952 मेगावाट वृद्धि 7,395 मेगावाट वृद्धि, सिंचाई क्षमता (नहरी) 91,582 हेक्टेयर 98,753 हेक्टेयर खेतों में तारबंदी 1.13 करोड़ मीटर 3.44 करोड़ मीटर।

वित्तीय प्रबंधन : राजस्व घाटे में 8 हजार करोड़ की सेंध मुख्यमंत्री ने बताया कि विरासत में मिले 5.79 लाख करोड़ के कर्ज के बावजूद सरकार ने वित्तीय अनुशासन बनाए रखा।

राजस्व घाटा : जो घाटा 38,954 करोड़ रुपये था, उसे घटाकर 31,009 करोड़ रुपये पर लाने की संभावना है।

पूंजीगत निवेश: डबल इंजन सरकार के कारण 19,000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त सहायता केंद्र से मिली है।

जल और कृषि: 'शेखावाटी को पानी हम ही पिलाएंगे 'यमुना जल समझौते और ईआरसीपी पर कांग्रेस के आरोपों का जवाब देते हुए सीएम ने कहा कि 'रामजल सेतु' परियोजना के तहत 26 हजार करोड़ के कार्य धरातल पर शुरू हो चुके हैं। उन्होंने शेखावाटी के पानी के मुद्दे पर डोटासरा को टोकते हुए कहा कि इस क्षेत्र की प्यास उनकी सरकार ही बुझाएगी।

अहम घोषणाएं और उपलब्धियां :

खेजड़ी संरक्षण: राजस्थान के राज्य वृक्ष को बचाने के लिए जल्द ही एक सशक्त कानून लाया जाएगा।रोजगार: 1 लाख नियुक्तियां दी जा चुकी हैं और 1.55 लाख पद प्रक्रियाधीन हैं।

महिला कल्याण : 1 करोड़ परिवारों को 450 रुपये में रसोई गैस सिलेंडर और 16 लाख महिलाओं को 'लखपति दीदी' बनाया गया।

सौर ऊर्जा : सौर ऊर्जा क्षमता में 19,209 मेगावाट की ऐतिहासिक बढ़ोतरी दर्ज की गई।

अगला कदम: मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि संकल्प पत्र के वादे के अनुरूप सरकार हर वर्ष अपना रिपोर्ट कार्ड जनता के बीच लेकर जाएगी। अब सभी की निगाहें 11 फरवरी को होने वाली सदन की अगली कार्यवाही पर हैं, जहां विपक्ष इन आंकड़ों पर पलटवार कर सकता है।

आंकड़ों से नहीं, वास्तविकता से तय होगी साख!

विधानसभा में हालिया बहस ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि शासन की सफलता केवल भाषणों और आंकड़ों से तय नहीं होती है। सड़क, बिजली, ऊर्जा और निवेश जैसे क्षेत्रों में प्रस्तुत प्रगति के दावे अपनी जगह महत्वपूर्ण हैं, लेकिन जनता के लिए असली सवाल ये है कि क्या बुनियादी सुविधाएं निर्बाध रूप से आम जनता तक पहुँच रही हैं या नहीं ?

इसी संदर्भ में राजस्थान गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम (आरजीएचएस) से जुड़ा संकट गंभीर चिंता का विषय बनकर सामने आया है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, दवा विक्रेताओं के करोड़ों रुपये के भुगतान अभी लंबित हैं! नियमानुसार 21 दिनों में होने वाला भुगतान महीनों से अटका हुआ है। इसका सीधा असर उन बुजुर्गों, पेंशनर्स और कर्मचारियों पर पड़ रहा है, जिनके लिए यह योजना कोई अतिरिक्त सुविधा नहीं, बल्कि जीवन की आवश्यकता है।

कई स्थानों पर मेडिकल स्टोर्स द्वारा दवा देने से इनकार किया जाना प्रशासनिक चूक नहीं है बल्कि मानवीय संकट का संकेत है। इलाज की जरूरत और सरकारी भुगतान के बीच फंसा आम नागरिक न तो आंकड़ों से राहत पाता है, न ही आश्वासनों से। उसके लिए सवाल सीधा है आज उसे डॉक्टर की लिखी दवा मिलेगी या नहीं?

विकास और वित्तीय अनुशासन की बातें तब तक अधूरी हैं, जब तक उनका असर सबसे कमजोर वर्ग तक नहीं पहुंचता। सरकारी योजनाओं को सिर्फ कागजों में ढालना नहीं होता है बल्कि अपनी योजनाओं को कितनी संवेदनशीलता और निरंतरता से लागू कर आम जनता तक पहुंचाना होता है। उसका पूरी तरह से निरीक्षण करना होता है। किसी भी योजना का नाम बदलने, श्रेय लेने या पुराने कामों की तुलना से अधिक ज़रूरी है वर्तमान में चल रही व्यवस्था को बिना रुकावट बनाए रखना।

यदि हर वर्ष जनता के सामने 'रिपोर्ट कार्ड' रखने की बात की जाती है, तो उसमें केवल किलोमीटर, मेगावाट और करोड़ों का लेखा-जोखा ही नहीं होना चाहिए,साथ में उसमें ये भी दर्ज किया जाना चाहिए कि कितने बुजुर्गों को समय पर दवा मिली, कितने मरीज बिना इलाज लौटे और कितनी जनकल्याणकारी योजनाएं फाइलों से निकलकर ज़मीनी हक़ीकत तक पहुंचीं। लोकतंत्र में विपक्ष सवाल पूछता है?आम जनता सवाल पूछती है और सत्ता जवाब देती है! यह स्वाभाविक है। लेकिन जब सवाल स्वास्थ्य और जीवन से जुड़ा हो, तो वह राजनीतिक नहीं रहता। वह प्रशासनिक संवेदनशीलता और मानवीय जिम्मेदारी की सीधी परीक्षा बन जाती है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि सरकार बहस के शोर से निकलकर व्यवस्था की खामियों को देखे और प्राथमिकता से सुधार करे। क्योंकि अंतत: आम जनता को यह याद नहीं रहता कि किसने कितना बोला, कितने आकड़े दिए बल्कि यह याद रहता है कि ज़रूरत के समय सुविधाओं के साथ वर्तमान सरकार उनके साथ खड़ी है या नहीं !

– दीपक गोस्वामी, प्रबंध संपादक

विकास भी, विरासत भी

खेजड़ी संरक्षण के लिए बनेगा नया कानून, 35 लाख करोड़ के निवेश और 1 लाख नियुक्तियों का पेश किया हिसाब

सदन में पहली बार रखा उपलब्धियों का 'दस्तावेज'

2 साल का काम पिछली सरकार के 5 साल पर भारी : सीएम भजनलाल

जयपुर (विशेष संवाददाता)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को विधानसभा में विपक्ष के '5 साल बनाम 2 साल' की चुनौती को स्वीकार करते हुए अपनी सरकार का ऐतिहासिक रिपोर्ट कार्ड पेश किया। राज्यपाल के अभिभाषण पर बहस का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने सदन के पटल पर पहली बार दो वर्ष की उपलब्धियों का विस्तृत दस्तावेज रखा। उन्होंने पुरजोर तरीके से कहा कि वर्तमान सरकार ने केवल दो वर्षों में वह कर दिखाया है, जो पूर्ववर्ती सरकार पांच वर्षों में भी नहीं कर पाई थी।

अर्थव्यवस्था: 'राजस्व घाटे में 8 हजार करोड़ की कमी'

मुख्यमंत्री ने पूर्ववर्ती सरकार पर वित्तीय कुप्रबंधन का आरोप लगाते हुए कहा कि पिछली सरकार प्रदेश पर 5,79,781 करोड़ रुपये का भारी कर्ज छोड़ गई थी।

सुधार: वर्तमान सरकार के वित्तीय प्रबंधन से राजस्व घाटे में 8,000 करोड़ रुपये की कमी आई है।

पूंजीगत व्यय: वर्ष 2024-25 में अब तक का सर्वाधिक 30,700 करोड़+ का कैपिटल एक्सपेंडिचर किया गया।

कृषि एवं जल: 'रामजल सेतु' से मिटेगी प्यास

जल प्रबंधन को अपनी प्राथमिकता बताते हुए सीएम ने 'रामजल सेतु' परियोजना का जिक्र किया।

जल संग्रहण: नवनेरा बैराज और ईसरदा बांध में पानी का संग्रहण शुरू हो चुका है।

सम्मान निधि: किसानों को 10,508 करोड़ रुपये की सम्मान निधि सीधे खातों में भेजी गई है, जिसे 5 साल में दोगुना करने का संकल्प है।

सिंचाई: 2 वर्षों में 99,562 हेक्टेयर अतिरिक्त क्षेत्र में नहरी और सतही जल से सिंचाई पहुंचाई गई।

कानून-व्यवस्था: अपराधियों और पेपरलीक माफिया पर प्रहार

सुरक्षा के मोर्चे पर मुख्यमंत्री ने आंकड़ों के साथ जवाब दिया:

अपराध में कमी: एनसीआरबी आंकड़ों के हवाले से बताया कि महिला अपराधों में 10% और एससी/एसटी अत्याचार के मामलों में 28% की कमी आई है।

पेपरलीक: अब तक 140 एफआईआर दर्ज कर 428 से अधिक अपराधियों को जेल भेजा गया है।

रोजगार और निवेश: 'राइजिंग राजस्थान' की गूँज

युवाओं के लिए सरकार के रोडमैप को स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा:

सरकारी नौकरी: अब तक 1 लाख से अधिक नियुक्तियां दी जा चुकी हैं और 1.55 लाख भर्तियां प्रक्रियाधीन हैं।

निवेश: 'राइजिंग राजस्थान' समिट के जरिए 35 लाख करोड़ रुपये के ख्ह हुए, जिनमें से 8 लाख करोड़ का निवेश जमीन पर उतरना शुरू हो गया है।

विरासत: 'खेजड़ी' को मिलेगा कानूनी कवच

पर्यावरण और संस्कृति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए मुख्यमंत्री ने बड़ी घोषणा की:

नया कानून: राज्य वृक्ष 'खेजड़ी' के संरक्षण के लिए सरकार जल्द ही सशक्त कानून लाएगी।

वृक्षारोपण: 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत 2 वर्षों में 20 करोड़ पौधे लगाए गए हैं, जिसका लक्ष्य 50 करोड़ है।

जी-20 देशों में भारतीय अर्थव्यवस्था सबसे तेज

नई दिल्ली (एजेंसी)। जी-20 समूह से जुड़े देशों में भारतीय अर्थव्यवस्था ग्रोथ के मामले में सबसे तेज है। ये अनुमान ग्लोबल रेटिंग एजेंसी मूडीज ने सोमवार को जारी किए। मूडीज के मुताबिक, अगले वित्त वर्ष (2026-27) में भारत की जीडीपी 6.4 फीसदी की दर से बढ़ सकती है। मूडीज ने कहा कि यह रफ्तार दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं वाले जी20 देशों के ग्रुप में सबसे ज्यादा होगी। एजेंसी ने इसके पीछे मजबूत घरेलू खपत, सरकार के नीतिगत फैसलों और देश के स्थिर बैंकिंग सिस्टम को मुख्य वजह बताया। पिछले महीने संसद में पेश हुए इकोनॉमिक सर्वे में वित्त वर्ष 2027 के लिए 6.8 फीसदी से 7.4 फीसदी की ग्रोथ का अनुमान बताया गया था। वहीं आरबीआई ने भी हाल ही में अपनी मॉनेटरी पॉलिसी मीटिंग में वित्त वर्ष 2027 की पहली छमाही के लिए करीब 7 फीसदी ग्रोथ की उम्मीद जताई है।

दावे सुशासन के, हकीकत बदहाली की : सीएम के 'तुलनात्मक आंकड़ों' पर गहलोत का तीखा प्रहार

भाषणों के मायाजाल से निकलकर बुजुर्गों और पेंशनर्स की सुध ले सरकार ' : गहलोत

जयपुर (विशेष संवाददाता)। राजस्थान विधानसभा में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा पेश किए गए '2 साल बनाम 5 साल' के रिपोर्ट कार्ड पर सियासत गर्मा गई है। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मुख्यमंत्री के दावों को धरातल से परे बताते हुए उन पर तीखा हमला बोला है। गहलोत ने आरोप लगाया कि जहां एक ओर सरकार आंकड़ों में विकास की बड़ी-बड़ी बातें कर रही है, वहीं दूसरी ओर राज्य की स्वास्थ्य सेवाएं और लोक-कल्याणकारी योजनाएं फंड की कमी के कारण दम तोड़ रही हैं।

अशोक गहलोत ने सोशल मीडिया पर 'पत्रिका' की रिपोर्ट का हवाला देते हुए राज्य सरकार की आरजीएचएस की बदहाली का मुद्दा उठाया। उन्होंने बताया कि दवा विक्रेताओं का लगभग 800 करोड़ रुपये का भुगतान सरकार पर बकाया है। नियमानुसार भुगतान 21 दिनों में होना चाहिए, लेकिन पिछले 6 महीनों से फाइलें सचिवालय के चक्कर काट रही हैं। भुगतान न होने के कारण कई मेडिकल स्टोर्स ने दवा देना बंद कर दिया है, जिससे बुजुर्ग और बीमार

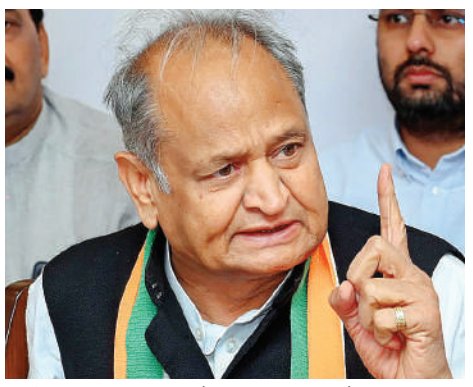

कर्मचारी खाली हाथ लौटने को मजबूर हैं।

'कोसना आसान, सुविधाएं चलाना कठिन'

मुख्यमंत्री के 2 घंटे के विधानसभा भाषण पर पलटवार करते हुए गहलोत ने लिखा— 'सत्ता की कुर्सी पर बैठकर पिछली सरकार को कोसना आसान है, लेकिन जनता को मिल रही सुविधाओं को चालू रखना कठिन। मुख्यमंत्री जी, भाषणों के मायाजाल से बाहर निकलकर धरातल पर तड़प रहे इन बुजुर्गों की सुध लीजिए।' उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि विकास केवल आंकड़ों में नहीं, बल्कि जनता को मिलने वाली बुनियादी सुविधाओं की निरंतरता में दिखना चाहिए।

'5 साल बनाम 2 साल' के दावों पर सवाल : गौरतलब है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सदन में दावा किया था कि उनकी सरकार ने सड़क, बिजली और कृषि जैसे क्षेत्रों में मात्र 2 साल में कांग्रेस के 5 साल से अधिक काम किया है। गहलोत का तर्क है कि सरकार पिछली सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का फंड रोककर उन्हें जानबूझकर कमजोर कर रही है।

बढ़ सकती है सियासी तपिश

विधानसभा के बजट सत्र के बीच गहलोत के इस हमले ने विपक्ष को नया मुद्दा दे दिया है। माना जा रहा है कि आगामी दिनों में कांग्रेस इस मुद्दे को सदन के भीतर जोर-शोर से उठाएगी। स्वास्थ्य योजनाओं के नाम बदलने और बजट आवंटन में देरी को लेकर पहले से ही सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच ठनी हुई है।

सीएम की ब्रांडिंग के लिए 8 करोड़ का टेंडर, पर जनता बेहाल : जूली

विधानसभा में गूंजी नेता प्रतिपक्ष की शायरी और तंज, बोले-'मंत्री खड़े रहते हैं और अफसर बैठे, थानों में विधायकों की सुनवाई नहीं'

जयपुर (विशेष संवाददाता)। राजस्थान विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने सरकार के 'रिपोर्ट कार्ड' की धज्जियाँ उड़ाते हुए उसे केवल 'ब्रांडिंग की सरकार' करार दिया। करीब एक घंटे के संबोधन में जूली ने शेरो-शायरी और तीखे व्यंग्यों के जरिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को घेरते हुए आरोप लगाया कि प्रदेश में काम से ज्यादा मुख्यमंत्री की सोशल मीडिया रील और दिखावे पर ध्यान दिया जा रहा है।

जूली ने सीधे मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार विज्ञापन और खुद की ब्रांडिंग के मोह में डूबी है। जूली ने दावा किया कि मुख्यमंत्री की रील बनवाने और सोशल मीडिया मैनेजमेंट के लिए 8 करोड़ रुपये का टेंडर दिया गया है। उन्होंने कहा, 'मुख्यमंत्री रात 12 बजे तक काम करने की रील बनवाते हैं, लेकिन उनके यूट्यूब चैनल पर 100 व्यूज भी नहीं आते। भाजपा के अपने 118 विधायक भी उनका कंटेंट नहीं देखते।'

प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि प्रदेश में पहली बार ऐसा दौर आया है जब जनप्रतिनिधियों का सम्मान खत्म हो गया है। जूली ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार

में विधायकों को काम कराने के लिए थानेदार और तहसीलदार के पैर पकड़ने पड़ रहे हैं। अफसर बेलगाम हैं और मंत्रियों की मौजूदगी में भी कुर्सी छोड़कर खड़े नहीं होते। उन्होंने तंज कसा कि चार-चार महीने तक कैबिनेट बैठक नहीं होती, लेकिन किसी बड़े उद्योगपति के मिलते ही अगले दिन बैठक बुला ली जाती है।

अपराध और कानून-व्यवस्था : सवाई माधोपुर में महिला के पैर काटकर कड़े लूटने की वीभत्स घटना का जिक्र करते हुए जूली ने कहा कि प्रदेश में कानून का इकबाल खत्म हो चुका है। अपराधी बेखौफ हैं और आम जनता डरी हुई है। नशे के बढ़ते कारोबार पर भी उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए सरकार से कड़ी कार्रवाई की मांग की।

इंडिया स्टोनमार्ट 2026: वैश्विक मंच पर दिखा 'खनिज पावर' राजस्थान का दम

कर्तव्य पथ की शान बना जालौर का ग्रेनाइट

जयपुर (विशेष संवाददाता)। राजस्थान की राजधानी में आयोजित 'इंडिया स्टोनमार्ट 2026' के दूसरे दिन राजस्थान की खनिज संपदा और औद्योगिक कौशल का जबरदस्त प्रदर्शन देखने को मिला। सीतापुरा स्थित जेईसीसी में राज्य सरकार के माइंस, भू-विज्ञान एवं आरएसएमएम के पेवेलियन ने विदेशी खरीदारों और निवेशकों का ध्यान अपनी ओर खींचा। प्रमुख सचिव माइंस टी. रविकान्त और विधानसभा मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने आयोजन का दौरा कर प्रदेश के पत्थर उद्योग की वैश्विक ब्रांडिंग की सराहना की।

दुनिया के खनिज मानचित्र पर उभरता 'सुपरपावर'

प्रदर्शनी में माइंस विभाग के पेवेलियन ने यह साबित कर दिया कि राजस्थान अब केवल मार्बल तक सीमित नहीं है। प्रमुख सचिव टी. रविकान्त ने बताया कि राजस्थान चेजा पत्थर से आगे बढ़कर अब उच्च तकनीक वाले खनिजों और ऊर्जा संसाधनों में दुनिया को टक्कर दे रहा है।

जोगेश्वर गर्ग, मुख्य सचेतक

ग्लोबल नेटवर्किंग और निवेशकों में उत्साह जियोलोजी विभाग के अतिरिक्त निदेशक एस.एन. डोडिया और उनकी तकनीकी टीम विदेशी खरीदारों के सवालों का मौके पर समाधान कर रही है। आरएसएमएम द्वारा औद्योगिक खनिजों (लिग्नाइट और रॉकफास्फेट) की आपूर्ति श्रृंखला की जानकारी देने से निवेशकों में भारी उत्साह देखा जा रहा है। प्रमुख सचिव टी. रविकान्त के अनुसार, स्टोनमार्ट केवल एक इवेंट नहीं बल्कि राजस्थान की आर्थिक ताकत को दुनिया के सामने रखने वाली एक 'प्रभावी विंडो' है।

प्रदर्शनी की मुख्य विशेषताएं

57 खनिजों का लाइव प्रदर्शन- राजस्थान देश का इकलौता राज्य है जहां 57 तरह के खनिजों के ओरिजिनल सैंपल्स एक साथ प्रदर्शित किए गए। इसमें सोना, चांदी और तांबा जैसे मेटेलिक खनिजों के साथ रॉकफास्फेट जैसे फर्टिलाइजर खनिज भी शामिल हैं। पत्थरों का जादुई संसार-मार्बल, ग्रेनाइट और सैंडस्टोन की 40 से अधिक किस्मों की स्लैब्स ने विदेशी आर्किटेक्ट्स को अचंभित कर दिया। भविष्य की तकनीक (REE)- स्मार्टफोन और इलेक्ट्रिक वाहनों में इस्तेमाल होने वाले दुर्लभ खनिजों (Rare Earth Elements) का प्रदर्शन पेवेलियन का सबसे बड़ा आकर्षण रहा।

दिल्ली के 'कर्तव्य पथ' पर जालौर के ग्रेनाइट की चमक : विधानसभा मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने स्टोनमार्ट का अवलोकन करते हुए जालौर के ग्रेनाइट उद्योग पर गर्व व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि आज राजस्थान का पत्थर देश की सबसे प्रतिष्ठित परियोजनाओं का हिस्सा है। 'दिल्ली का ऐतिहासिक 'कर्तव्य पथ' जालौर के ग्रेनाइट से सुसज्जित है, जो हमारी गुणवत्ता का सबसे बड़ा प्रमाण है। लघु उद्योग भारती के नेतृत्व में आयोजित यह स्टोनमार्ट सूक्ष्म और लघु उद्यमियों के लिए तकनीक और बाजार के नए द्वार खोल रहा है।'

स्टोनमार्ट 2026: दुनिया की नजर में राजस्थान बना खनिज 'सुपरपावर', 57 खनिजों ने बिखेरी चमक

कर्तव्य पथ की शान है राजस्थान का पत्थर, इंडिया स्टोनमार्ट में उमड़ा विदेशी निवेशकों का हुजूम

जयपुर में 'इंडिया स्टोनमार्ट 2026' का हुआ भव्य आगाज: सीएम भजनलाल शर्मा ने किया दुनिया भर के पत्थरों के महाकुंभ का उद्घाटन

जयपुर (विशेष संवाददाता)। राजस्थान की राजधानी जयपुर के सीतापुरा स्थित जयपुर एग्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर (JECC) में गुरुवार को पत्थर उद्योग के अंतरराष्ट्रीय महाकुंभ 'इंडिया स्टोनमार्ट 2026' की विधिवत शुरुआत हुई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मुख्य कन्वेंशन हॉल में दीप प्रज्वलित कर चार दिवसीय (5 से 8 फरवरी) इस वैश्विक आयोजन का उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह में देश-विदेश के उद्योगपति, विदेशी प्रतिनिधि और कुशल कारीगर बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

'पत्थर सिर्फ व्यापार नहीं, हमारी संस्कृति का प्रतीक': मुख्यमंत्री : सत्र को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि इंडिया स्टोनमार्ट महज एक व्यापारिक प्रदर्शनी नहीं है, बल्कि यह भारतीय शिल्प परंपरा और औद्योगिक शक्ति का संगम है। 'दुनिया भारत को एक बड़े निवेश बाजार के रूप में देख रही है। हमारे पत्थर की चमक राष्ट्रपति भवन से लेकर संसद भवन तक बिखरी हुई है। हमारे पत्थर की खूबी कम मेंटेनेंस और बेमिसाल मजबूती है।'

आयोजन की खास बातें: ग्लोबल भागीदारी-ईरान, इटली, तुर्की और चीन की 66 अंतरराष्ट्रीय कंपनियां हिस्सा ले रही हैं।

'सरकार में फाइलें दौड़ती हैं, उद्यमी नहीं'

उद्योग मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने आयोजन की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि राजस्थान के पत्थर अपना इतिहास खुद बोलते हैं। उन्होंने उद्यमियों को भरोसा दिलाया कि सरकार औद्योगिक विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

विस्तार-यह स्टोनमार्ट का 13वां संस्करण है, जो अब तक के सबसे बड़े क्षेत्रफल में आयोजित किया गया है।

शिल्पग्राम-'रुडा' द्वारा लगाए गए शिल्पग्राम में पारंपरिक पत्थर नक्काशी का जीवंत प्रदर्शन आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

मशीनरी और तकनीक का संगम-प्रदर्शनी में न केवल पत्थर, बल्कि आधुनिक मशीनरी, माइनिंग तकनीक और नवीनतम डिजाइनों का प्रदर्शन किया जा रहा है।

आयोजन के दौरान B&B (Business to Business) मीटिंग्स और नेटवर्किंग सेशन्स के माध्यम से करोड़ों रुपये के निवेश और निर्यात समझौतों की उम्मीद जताई जा रही है।

ये दिग्गज रहे मौजूद-समारोह में शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, आर.के. मार्बल के अध्यक्ष अशोक पाटनी, और प्रसिद्ध मूर्तिकार अरुण योगीराज सहित कई वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी और उद्योग जगत की हस्तियां शामिल हुईं। कार्यक्रम के अंत में संयोजक नटवरलाल अजमेरा ने सभी का आभार व्यक्त किया।

'पत्थर और वास्तुकला भारत की आर्थिक शक्ति के स्तंभ' : केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल

जयपुर (विशेष संवाददाता)। गुलाबी नगरी के सीतापुरा स्थित छश्चष्ट में पत्थरों के सबसे बड़े समागम 'इंडिया स्टोनमार्ट 2026' के समानांतर आयोजित दो दिवसीय 'जयपुर आर्किटेक्चर फेस्टिवल (छ्रस्न)' का शुक्रवार को सफलतापूर्वक समापन हुआ। समापन समारोह के मुख्य अतिथि केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल रहे। उन्होंने राजस्थान के स्टोन उद्योग की सराहना करते हुए इसे भारत की सांस्कृतिक और आर्थिक प्रगति का आधार बताया।

सस्टेनेबल माइनिंग और आधुनिक तकनीक पर जोर समापन सत्र को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री मेघवाल ने कहा कि जयपुर आर्किटेक्चर फेस्टिवल जैसे मंच नीति निर्माताओं, डिजाइनरों और उद्योगपतियों के बीच एक सेतु का काम करते हैं। 'पत्थर और वास्तुकला केवल निर्माण नहीं, बल्कि हमारी विरासत हैं। भविष्य की जरूरतों को देखते हुए हमें सस्टेनेबल माइनिंग (सतत खनन) और वैल्यू एडिशन के लिए आधुनिक तकनीक को अपनाना होगा।'

फेस्टिवल के दूसरे दिन विभिन्न तकनीकी सत्रों में भविष्य के शहरों पर चर्चा हुई

इंदौर डेवलपमेंट मॉडल-विख्यात आर्किटेक्ट जितेंद्र मेहता ने बताया कि कैसे नागरिक सहभागिता और टिकाऊ इंफ्रास्ट्रक्चर के जरिए इंदौर देश के लिए मिसाल बना है। पत्थर बनाम कांच-स्टील-विशेषज्ञों ने 'रिइनवेंटिंग लोकल स्टोन' विषय पर चर्चा की और आधुनिक वास्तुकला में स्थानीय पत्थरों की बढ़ती प्रासंगिकता को रेखांकित किया।

आंध्र प्रदेश के खान मंत्री की उपस्थिति-उत्सव के अंतिम दिन आंध्र प्रदेश के खान मंत्री कोल्लू रविंद्र गरु ने भी शिरकत की। उन्होंने इंडिया स्टोनमार्ट को पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार आयोजन बताते हुए कहा कि यह मंच सस्टेनेबिलिटी और पर्यावरणीय जिम्मेदारी का प्रतीक है। उन्होंने अंतरराज्यीय तकनीकी साझेदारी और निवेश की संभावनाओं पर बल दिया। स्टोन सेक्टर में इको-फ्रेंडली प्रैक्टिसेज को अपनाने की आवश्यकता जताई। युवाओं का उत्साह और डिजाइन इंस्टॉलेशन-फेस्टिवल के दौरान विभिन्न राज्यों से आए आर्किटेक्चर के छात्रों द्वारा बनाए गए डिजाइन इंस्टॉलेशन मुख्य आकर्षण रहे। वरिष्ठ आर्किटेक्ट्स ने छात्रों के नवाचारों की सराहना की और उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए मार्गदर्शन दिया। छात्रों के साथ इस सीधे संवाद को फेस्टिवल की बड़ी उपलब्धि माना गया।

पत्थर उद्योग की वैश्विक सफलता में राजस्थान का 70% योगदान : राज्यपाल

जयपुर (विशेष संवाददाता)। राजस्थान की राजधानी जयपुर के सीतापुरा स्थित जेईसीसी (छश्चष्ट) में आयोजित चार दिवसीय अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी 'इंडिया स्टोनमार्ट 2026' का रविवार को सफलतापूर्वक समापन हुआ। समापन समारोह के मुख्य अतिथि राज्यपाल हरिभाऊ बागडे रहे। उन्होंने राजस्थान की खनिज संपदा को राज्य की 'आर्थिक जीवन रेखा' बताते हुए सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल खनन पर जोर दिया।

देश के स्टोन सेक्टर का 'सिरमौर' है राजस्थान-राज्यपाल ने अपने संबोधन में महत्वपूर्ण आंकड़े साझा करते हुए बताया कि भारत के कुल पत्थर खनन और प्रसंस्करण में राजस्थान का अकेले 70 प्रतिशत योगदान है। खनिजों की विविधता-प्रदेश में वर्तमान में 81 प्रकार के पत्थरों का खनन हो रहा है, जिनमें से 57 का व्यावसायिक रूप से दोहन किया जा रहा है।

ग्लोबल लीडर: संगमरमर (Marble), ग्रेनाइट और बलुआ पत्थर (Sandstone) के मामले में राजस्थान दुनिया भर में भारत का नेतृत्व कर रहा है।

ऐतिहासिक गौरव-राज्यपाल ने कहा कि हमारे किलों, महलों और मंदिरों ने भारतीय संस्कृति के स्थायित्व को पत्थरों के माध्यम से ही जीवंत रखा है। सुरक्षित खनन और श्रमिकों का कल्याण सर्वोच्च प्राथमिकता-राज्यपाल ने पत्थर उद्योग से जुड़े हितधारकों को संबोधित करते हुए सुरक्षित खनन के साथ-साथ पर्यावरण और पारिस्थितिकी (Ecology) संतुलन को प्राथमिकता देने का आह्वान किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि श्रमिकों का कल्याण केवल नीति नहीं, बल्कि उद्योग की नैतिक जिम्मेदारी होनी चाहिए।

इस 13वें संस्करण ने वैश्विक स्तर पर अपनी सफलता के नए झंडे गाड़े हैं

वैश्विक भागीदारी-प्रदर्शनी में ईरान, तुर्की, इटली और चीन सहित 66 अंतरराष्ट्रीय कंपनियों ने हिस्सा लिया। नवाचार-पहली बार 26 भाषाओं वाली वेबसाइट और डिजिटल मोबाइल ऐप के जरिए इस आयोजन को हाई-टेक बनाया गया। शिल्पग्राम-ग्रामीण गैर-कृषि विकास अभिकरण द्वारा आयोजित शिल्पग्राम में पारंपरिक शिल्पकारों की कला ने विदेशी खरीदारों का मन मोह लिया।

'इंडिया स्टोन मार्ट' से पत्थर उद्योग को मिलेगी ग्लोबल पहचान

अयोध्या के राम मंदिर से अक्षरधाम तक राजस्थान के पत्थर का गौरव : दिया

जयपुर (विशेष संवाददाता)। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने शुक्रवार को सीतापुरा स्थित JECC में 'इंडिया स्टोन मार्ट 2026' और 'जयपुर आर्किटेक्चर फेस्टिवल' का दौरा किया।

इस दौरान उन्होंने प्रदेश की स्थापत्य कला की सराहना करते हुए कहा कि 'विकास और विरासत' के समन्वय से राजस्थान का पत्थर उद्योग दुनिया भर में नई ऊंचाइयां छुएगा।राम मंदिर और अक्षरधाम राजस्थान की कला के प्रमाण'जयपुर आर्किटेक्चर फेस्टिवल' का उद्घाटन करते हुए उपमुख्यमंत्री ने गर्व के साथ कहा कि राजस्थान का पत्थर केवल एक खनिज नहीं, बल्कि वैश्विक वास्तुकला की पहचान है। 'चाहे अयोध्या का भव्य राम मंदिर हो, दिल्ली का अक्षरधाम या दुनिया के सबसे आलीशान होटल—हर जगह राजस्थान के पत्थर का योगदान है। जयपुर दुनिया की पहली प्लांड सिटी है और वास्तुकला में हमारा स्थान अद्वितीय है।'

उपमुख्यमंत्री ने नवाचार और तकनीक का लिया जायजा

दिया कुमारी ने प्रदर्शनी में विभिन्न पवेलियन्स का विस्तृत निरीक्षण किया और वहां प्रदर्शित आधुनिक मशीनों व नक्काशीदार उत्पादों की जानकारी ली। उन्होंने सुझाव दिया कि युवाओं और छात्रों को सीखने का अवसर देने के लिए ऐसे आयोजनों की अवधि 4 दिन से बढ़ाकर 10 दिन की जानी चाहिए। आयोजन की डिजिटल पहल:लघु उद्योग भारती की राष्ट्रीय सचिव अंजू सिंह ने बताया कि इस बार आयोजन को हाई-टेक बनाया गया है। इसमें:एक समर्पित डिजिटल मोबाइल ऐप लॉन्च किया गया।26 भाषाओं में अनुवाद की सुविधा वाली वेबसाइट शुरू की गई, ताकि विदेशी खरीदारों को आसानी हो। 12वें ऑल इंडिया स्टोन आर्किटेक्चर अवॉर्ड्स 2025 समारोह के दौरान पत्थर के रचनात्मक और टिकाऊ उपयोग के लिए देश के दिग्गज आर्किटेक्ट्स को सम्मानित किया गया। प्रमुख विजेताओं की सूची निम्न है

श्रेणी विजेता प्रोजेक्ट पुरस्कार राशि एक्सटीरियर फेसिंग आ. प्रमोद जैन मारवाड़ इंटरनेशनल सेंटर, जोधपुर 1,00,000 रु. इंटीरियर डिजाइन आ. श्वेता और संतोष तेलंगाना एवं महाराष्ट्र प्रोजेक्ट 50,000 रु. (प्रत्येक) लैंडस्केपिंग आ. श्रद्धा-अर्जिक्य एवं जयदत्त-अनलपुणे एवं अहमदाबाद प्रोजेक्ट 50,000 रु. (प्रत्येक) ग्रीन आर्किटेक्चर आ. हिमांशु पटेल और लता रमन अहमदाबाद एवं लेह प्रोजेक्ट 50,000 रु. (प्रत्येक) विरासत के संरक्षण पर जोर उपमुख्यमंत्री ने 'शिल्पग्राम' के माध्यम से छोटे कारीगरों को अंतरराष्ट्रीय मंच प्रदान करने के लिए आयोजकों की सराहना की। कार्यक्रम में सीडॉस (छ्रष्ठह्र) के सीईओ मुकुल रस्तोगी, उपाध्यक्ष दीपक अजमेरा और आईआईए राजस्थान के चेयरमैन तुषार सोगानी सहित कई अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ उपस्थित रहे।

मेहरानगढ़ में सिनेमा का महाकुंभ

12वें आरआईएफएफ में रजत कपूर और मुकेश छाबड़ा सहित 9 दिग्गज हस्तियां सम्मानित

जोधपुर के 'ब्लू सिटी' में फिल्मकारों का जमघट, पूर्व नरेश गजसिंह बोले– सिनेमा समाज की रचनात्मकता को जोड़ने का सबसे सशक्त माध्यम'

जोधपुर (विशेष संवाददाता)। जोधपुर के ऐतिहासिक मेहरानगढ़ दुर्ग की प्राचीरें रविवार रात सिनेमाई सितारों की चमक से सराबोर हो गईं। 12वें राजस्थान इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के भव्य समापन समारोह में भारतीय और अंतरराष्ट्रीय सिनेमा की नामचीन हस्तियों को उनकी उत्कृष्टता के लिए सम्मानित किया गया।

पूर्व नरेश गजसिंह और पूर्व महारानी हेमलता राजे ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करते हुए दीप प्रज्वलित कर 'रिफ अवॉर्ड नाइट' का आगाज किया।सिनेमा और संस्कृति का भव्य मिलनसमारोह को संबोधित करते हुए पूर्व नरेश गजसिंह ने कहा कि सिनेमा न केवल मनोरंजन का साधन है, बल्कि यह समाज और संस्कृति को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने का प्रभावी जरिया भी है।

उन्होंने राजस्थानी भाषा में अधिक से अधिक फिल्मों और डॉक्यूमेंट्री निर्माण पर जोर दिया। इस अवसर पर 'राजस्थानी मधु' के नाम से प्रसिद्ध जापानी कलाकार मायूमी को फेस्टिवल का 'कल्चरल ब्रांड एम्बेसडर' घोषित किया गया। इन 9 हस्तियों को मिला विशेष सम्मान (आरआईएफएफ 2026 अवाड्र्स) समारोह में फिल्म जगत के विभिन्न क्षेत्रों में योगदान देने वाली 9 विशिष्ट प्रतिभाओं को नवाजा गया।

राजस्थानी संस्कृति का डिजिटल प्रचार महत्वपूर्ण घोषणाएं और प्रतिक्रियाए

शैलेश लोढ़ा की पहल : मशहूर अभिनेता शैलेश लोढ़ा ने अपने पिता श्याम सिंह लोढ़ा की स्मृति में घोषणा की कि अगले वर्ष से राजस्थान की दो सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्मों को 1.5 लाख की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी।

रजत कपूर का अनुभव: 'आंखों देखी' फेम रजत कपूर ने कहा कि वे जोधपुर के पुराने शहर और यहाँ की आवोहवा के मुरीद हो गए हैं।

मकरंद देशपांडे का विचार: अभिनेता मकरंद देशपांडे ने ऐतिहासिक स्थल पर सम्मान मिलने को गर्व का क्षण बताया।5 दिनों में दिखी 78 फिल्मों की झलकफेस्टिवल के निदेशक सोमेंद्र हर्ष और अंशु हर्ष ने बताया कि इस बार 31 जनवरी से 4 फरवरी तक चले आयोजन में कुल 78 फिल्मों की स्क्रीनिंग हुई। इसमें हिंदी, अंग्रेजी और राजस्थानी भाषा की फीचर फिल्मों के अलावा डॉक्यूमेंट्री भी शामिल थीं। कुल 87 प्रतिभाओं को विभिन्न श्रेणियों में तकनीकी और रचनात्मक उत्कृष्टता के लिए पुरस्कार दिए गए।

राजस्थान पुलिस स्थापना दिवस पर जयपुर में सजेगी शौर्य की महफिल : डीजीपी शर्मा

जयपुर (विसं)

राजस्थान पुलिस के गौरवशाली इतिहास और अटूट अनुशासन का प्रतीक राजस्थान पुलिस स्थापना दिवस इस वर्ष भी भव्य स्तर पर मनाया जाएगा। 16 अप्रेल को आयोजित होने वाले इस उत्सव को लेकर पुलिस विभाग में हलचल तेज हो गई है। इसी क्रम में बुधवार को पुलिस महानिदेशक राजीव शर्मा ने पुलिस मुख्यालय में एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। डीजीपी राजीव शर्मा ने स्पष्ट किया कि स्थापना दिवस केवल एक दिन का आयोजन नहीं होगा, बल्कि सप्ताह भर विभिन्न कार्यक्रमों की धूम रहेगी। बैठक के दौरान राज्यस्तरीय और जिला स्तर के कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा साझा की गई। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी कार्यक्रम पूर्व निर्धारित योजना के अनुसार पूर्ण अनुशासन और समन्वय के साथ पूरे किए जाएं।

डीजीपी शर्मा ने बताया कि इस उपलक्ष्य में राज्य स्तरीय परेड में जयपुर में पुलिस बल का शक्ति प्रदर्शन होगा। वहीं सांस्कृतिक संध्या में राजस्थान की संस्कृति और पुलिस बैंड का मनमोहक प्रदर्शन। इसके साथ ही बच्चों के लिए प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता और सामयिक विषयों पर सेमिनार सहित पुलिस इकाइयों में सामूहिक प्रीतिभोज यानी बड़ाखाना का आयोजन होगा।

16 अप्रेल को जयपुर में होने वाले मुख्य समारोह के साथ-साथ राज्य की सभी पुलिस रेंजों, जिलों और इकाइयों में भी उत्सव मनाया जाएगा। सफल आयोजन सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों की जिम्मेदारियां तय कर दी गई हैं। डीजीपी ने निर्देश दिए हैं कि सुरक्षा व्यवस्था और गरिमा को बनाए रखते हुए पुलिस की कार्यकुशलता को जनता के सामने प्रभावी ढंग से पेश किया जाए।

26 साल बाद फैसला खेड़ापति बालाजी गलता तीर्थ की सम्पत्ति

कोर्ट के फैसले के बाद पुजारी को हटाया, देवस्थान विभाग को सौंपा प्रबंधन

जयपुर (द पब्लिक हब)। जयपुर की फागी तहसील के माधोराजपुरा गांव में स्थित प्रसिद्ध खेड़ापति बालाजी मंदिर को कोर्ट ने गलता तीर्थ की सम्पत्ति माना है। एसीजेएम फागी रेखा तिवारी ने 26 साल पुराने मामले में मंदिर का प्रबंधन और संचालन देवस्थान विभाग को सौंपने का आदेश दिया। फैसला 4

फरवरी को किशनलाल एवं अन्य बनाम मंदिर ठिकाना गलता, सार्वजनिक न्यास और देव स्थान विभाग के केस पर दिया गया है।

दरअसल, नवंबर 1999 में ये मामला फागी कोर्ट में पहुंचा था। फैसले में कोर्ट ने बालकिशन को मंदिर के पुजारी पद से हटाने के लिए कहा है। साथ ही मंदिर श्रीखेड़ा बालाजी को प्रशासन के हाथों में देने का आदेश दिया है। मंदिर और उससे जुड़ी संपत्तियों की आय-व्यय का पूरा हिसाब-किताब अब प्रशासन करेगा। हाईकोर्ट में लंबित अपील के अंतिम निर्णय तक यही व्यवस्था लागू रहेगी। वर्तमान में गलता तीर्थ का प्रबंधन सरकार के पास है। एकलपीठ के फैसले के बाद हाईकोर्ट की खंडपीठ और सुप्रीम कोर्ट ने मामले में यथास्थिति के आदेश दे रखे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने अवधेशाचार्य और उनके परिवार को मंदिर परिसर में रहने की अनुमति दे रखी है, लेकिन जिला कलक्टर ही गलता पीठ के प्रशासक बने हुए हैं।

कांग्रेस के पूर्व मंत्री धारीवाल ने खोया आपा, सदन में दी गाली

देश में एक को छोड़कर सबको रोजगार मिल गया : जोगेश्वर गर्ग

जयपुर (द पब्लिक हब)। राज्यपाल के अभिभाषण पर बहस के दौरान बुधवार को पूर्व मंत्री और कांग्रेस विधायक शांति धारीवाल के गाली देने के बाद हंगामा हो गया। धारीवाल ने कहा कि अगर लाखों युवाओं को स्किल ट्रेनिंग देकर रोजगार योग्य नहीं बनाया तो यह युवा आबादी चुनौती बन जाएगी। इस पर सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने राहुल गांधी का नाम लिए बिना तंज कसते हुए कहा कि इस देश में एक युवक को छोड़कर सबको रोजगार मिल गया। गर्ग को जवाब देते हुए धारीवाल ने कहा कि आपकी बात आधी समझ आती है। इसी दौरान धारीवाल ने गाली दे दी। धारीवाल के बात खत्म करने के बाद सरकारी मुख्य सचेतक ने कहा कि आदत के मुताबिक धारीवाल ने आज सदन में फिर गाली दी है, उसे सदन की कार्यवाही से हटाया जाए।

सभापति ने गाली को कार्यवाही से हटाने के आदेश दिए। शांति धारीवाल पहले भी सदन में गाली दे चुके हैं, उस वक्त भारी हंगामा हुआ था और उन्हें सदन से माफी मांगनी पड़ी थी। मंत्री झाबर सिंह खर्रा भी सवालों में विपक्ष से उलझ गए विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान राजस्व मंत्री के बाद यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा भी सवालों में विपक्ष से उलझ गए। इस दौरान सदन में मंत्रियों और विपक्ष के बीच नोकझोंक और हंगामा हुआ। विवाद की शुरुआत आरएलडी विधायक सुभाष गर्ग के सवाल से हुई। गर्ग ने भरतपुर में आवासहीन परिवारों की संख्या और पीएम आवास योजना के पात्र परिवारों पर सवाल पूछा था। मंत्री के जवाब से असंतुष्ट सुभाष गर्ग ने कहा कि पहले आवासहीन परिवारों की संख्या बताइए। मंत्री पीएम आवास योजना की पात्रता की शर्तें बताने लगे। गर्ग ने आपत्ति करते हुए कहा कि होमलेस पॉलिसी-2022 में आवसहीन परिवारों के सर्वे करने का प्रावधान है या नहीं। मैंने तो इस पर जवाब मांगा था। मैं तो हां-ना में जवाब मांग रहा हूं।

जयपुर के पर्यटन को मिलेगा नया आकर्षण

आमेर : मावठा में शुरू होगी अब बोटिंग

जयपुर (विशेष संवाददाता)। राजस्थान की राजधानी जयपुर के आमेर क्षेत्र में देशी और विदेशी पर्यटकों के लिए जल्द ही एक नई और खास सुविधा शुरू होने जा रही है। विश्व प्रसिद्ध आमेर किले के सामने स्थित ऐतिहासिक मावठा सरोवर में पहली बार बोटिंग सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इस पहल से आमेर का पर्यटन अनुभव और भी यादगार बन जाएगा।

अब तक पर्यटक आमेर किले की भव्यता को पहाड़ियों और प्राचीरों से देखते आए हैं लेकिन बोटिंग शुरू होने के बाद पर्यटक झील के पानी के बीच से किले की खूबसूरती को निहार सकेंग।. झील में पड़ती किले की परछाई चारों ओर अरावली की पहाड़ियां और शांत वातावरण इस दृश्य को बेहद खास बना देगा। पर्यटन विभाग के निदेशक माधव शर्मा के अनुसार पर्यटन निगम की ओर से बोटिंग संचालन के लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली गई है और तैयारियां अंतिम चरण में हैं। यदि सब कुछ योजना के अनुसार रहा तो मार्च के पहले सप्ताह से पर्यटक मोटर बोट और पैडल बोट के जरिए मावठा झील की सैर कर सकेंगे।

कश्मीरी शिकारे की तर्ज पर होगा अनुभव : मावठा सरोवर में बोटिंग की सुविधा कश्मीरी शिकारे की तर्ज पर विकसित की जा रही है। यहां चार से बीस सीटर बोटों के साथ पैडल बोट भी उपलब्ध होंगी। इसके अलावा दस मिनट की हाई स्पीड बोटिंग शुरू कर सॉफ्ट टूरिज्म और एडवेंचर टूरिज्म को भी बढ़ावा दिया जाएगा। जल्द ही सभी बोटों का किराया तय किया जाएगा।

जयपुर पर्यटन को मिलेगा नया आयाम : अब तक जयपुर में हाथी सफारी और लायन सफारी जैसे आकर्षण मौजूद थे लेकिन झील में बोटिंग जैसी सुविधा नहीं थी। मावठा सरोवर में बोटिंग शुरू होने से जयपुर और आमेर की पर्यटन पहचान और मजबूत होगी और यह स्थान पर्यटकों के लिए बड़ा आकर्षण केंद्र बनेगा।

स्थानीय लोगों में खुशी और रोजगार की उम्मीद : आमेर महल के वरिष्ठ पर्यटक गाइड महेश कुमार शर्मा के अनुसार बोटिंग की खबर से स्थानीय लोगों और पर्यटन कारोबारियों में उत्साह है। गाइड नाविक सुरक्षा कर्मी फोटोग्राफर टैक्सी चालक और छोटे व्यापारियों को इससे रोजगार मिलने की उम्मीद है। होटल रेस्टोरेंट और हस्तशिल्प बाजार को भी इसका लाभ मिलेगा।

बोर्ड परीक्षा या उत्सव? शिक्षा मंत्री के आदेश से असमंजस में शिक्षक और विद्यार्थी

28 फरवरी को बोर्ड एग्जाम के साथ 'विज्ञान दिवस' और 'प्रताप राज्यारोहण' मनाने का निर्देश; शिक्षक संगठनों ने खड़े किए हाथ

जयपुर (विशेष संवाददाता)। राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के निर्देशों पर जारी फरवरी माह के 'शिविरा पंचांग' ने प्रदेश के सरकारी स्कूलों में कशमकश की स्थिति पैदा कर दी है। एक ओर 12 फरवरी से प्रदेश में 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं शुरू हो रही हैं, वहीं दूसरी ओर 28 फरवरी को दो महत्वपूर्ण उत्सव मनाने के सरकारी आदेश ने शिक्षकों और लाखों परीक्षार्थियों को उलझन में डाल दिया है।

क्या है नया विवाद : शिक्षा विभाग द्वारा जारी कैलेंडर के अनुसार, 28 फरवरी को प्रदेश के सभी विद्यालयों में 'राष्ट्रीय विज्ञान दिवस' और 'महाराणा प्रताप राज्यारोहण दिवस' भव्य रूप से मनाने के निर्देश हैं। विडंबना यह है कि इसी दिन बोर्ड की महत्वपूर्ण परीक्षाएं भी निर्धारित हैं:

10वीं बोर्ड: संस्कृत का पेपर।
12वीं बोर्ड: अर्थशास्त्र, कृषि जीव विज्ञान और जीव विज्ञान।
5वीं बोर्ड: पर्यावरण अध्ययन।

शिक्षकों की दलील : शिक्षक संगठनों का कहना है कि परीक्षा के दिन स्कूलों में पूरी व्यवस्था बदली हुई होती है। सिटिंग अरेंजमेंट से लेकर सुरक्षा तक के कड़े नियम होते हैं ऐसे में परीक्षा के बीच आयोजन असंभव।

छात्रों को रोकना मुश्किल: परीक्षा खत्म होते ही विद्यार्थी अगली तैयारी के लिए घर लौट जाते हैं। बोर्ड परीक्षा के तनाव के बीच उन्हें उत्सव के लिए रोकना व्यवहारिक नहीं है। राजस्थान शिक्षक संघ (राष्ट्रीय) के जिलाध्यक्ष दिनेश मईड़ा के अनुसार, परीक्षा शुरू होने से एक घंटा पहले और खत्म होने के एक घंटे बाद तक शिक्षक पूरी तरह व्यस्त रहते हैं। ऐसे में आयोजन के लिए समय और संसाधन जुटाना संभव नहीं है।

रेसला के जिलाध्यक्ष राहुल डिण्डोर ने बताया कि सरकार का ध्येय नेक है। महापुरुषों और विज्ञान की जानकारी युवा पीढ़ी तक पहुँचनी चाहिए, लेकिन परीक्षा के बीच यह कठिन है। ऐसे में अधिकतर विद्यालयों में यह आयोजन केवल 'औपचारिक' ही रहने की संभावना है।

विभागीय कार्रवाई का डर: शिक्षकों में इस बात को लेकर भी भय है कि यदि आदेश की अक्षरशः पालना नहीं हुई, तो विभाग उन पर अनुशासनात्मक कार्रवाई का डंडा चला सकता है। फिलहाल शिक्षक संगठन इस मामले में सरकार से स्पष्टीकरण या ढील की उम्मीद कर रहे हैं।

बोले-देश में स्टार्टअप्स की संख्या दो लाख के करीब पहुंच चुकी है और भारत वैश्विक यूनिकॉर्न हब बन चुका है

मोदी सरकार की प्राथमिकता 'कहने' की नहीं, 'करके दिखाने' की : शेखावत

द पब्लिक हब

जोधपुर केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने केंद्रीय बजट को केवल सरकार के आय-व्यय का लेखा-जोखा नहीं बल्कि भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने की ठोस कार्ययोजना बताते हुए कहा है कि आज का भारत उस दौर में खड़ा है जहां बजट लोकलुभावन घोषणाओं का माध्यम नहीं बल्कि दीर्घकालिक राष्ट्र निर्माण का औजार बन चुका है।

शेखावत बुधवार को यहां बजट युवा सम्मेलन में युवाओं से संवाद कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जैसे एक परिवार अपनी आय और खर्च का संतुलन बनाता है, वैसे ही सरकार का बजट देश की प्राथमिकताओं को दर्शाता है। आज की पीढ़ी सौभाग्यशाली है, क्योंकि वह उस भारत को प्रत्यक्ष देख रही है, जो इंफ्रास्ट्रक्चर, वैश्विक प्रतिष्ठा और आत्मविश्वास, तीनों स्तरों पर तेजी से बदल रहा है।

उन्होंने बताया कि बजट निर्माण से पहले देशभर के हजारों युवाओं से विचार-विमर्श किया गया। युवाओं के सुझावों, उनकी शब्दावली और दृष्टिकोण ने सरकार को दिशा दी। यह पहली बार है, जब बजट केवल संसद तक सीमित नहीं रहा, बल्कि युवाओं के साथ साझा विमर्श का विषय बना। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से पहले बजट का उपयोग अक्सर चुनावी साधन के रूप में होता था। बड़ी घोषणाएं होती थीं, लेकिन जमीनी असर सीमित रहता था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यह सोच बदली। अब प्राथमिकता 'कहने' की नहीं, 'करके दिखाने' की है। नोटबंदी का उदाहरण देते हुए श्री शेखावत ने कहा कि कठिन निर्णय लेने का साहस तभी संभव है, जब राष्ट्रहित सर्वोपरि हो।

उन्होंने कहा कि देश में पिछले 11 वर्षों में सड़कों, रेल नेटवर्क, हवाई अड्डों और लॉजिस्टिक्स में अभूतपूर्व निवेश हुआ है। रेलवे का शत-प्रतिशत विद्युतीकरण, वंदे भारत ट्रेनों का विस्तार और हवाई अड्डों की संख्या में वृद्धि इसका प्रमाण है। उन्होंने विश्वास जताया कि अगले दस वर्षों में यह परिवर्तन कई गुना तेज होगा। अर्थव्यवस्था के आकार पर उठने वाले सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि जब अर्थव्यवस्था बढ़ती है तो सरकार के संसाधन बढ़ते हैं। टैक्स संग्रह में वृद्धि से सरकार निवेश करती है, जिससे उद्योग, रोजगार और आम आदमी की आय बढ़ती है। जीएसटी सुधारों का उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि टैक्स दरें घटने के बावजूद संग्रह दोगुना हुआ, क्योंकि बचत फिर से खर्च और निवेश में बदली।

शेखावत ने कहा कि स्टार्टअप, स्टैंड-अप इंडिया, मुद्रा और जेएएम जैसी योजनाओं को कभी हल्के में लिया गया, लेकिन आज उनके परिणाम सामने हैं। देश में स्टार्टअप्स की संख्या दो लाख के करीब पहुंच चुकी है और भारत वैश्विक यूनिकॉर्न हब बन चुका है।

जयपुर में हुक्का बार पर पाबंदी

नियम तोड़ने वाले संचालकों पर दर्ज होगा मुकदमा

जयपुर (विशेष संवाददाता)। गुलाबी नगरी में बढ़ते हुक्का कल्चर और इससे जुड़ते अपराधों पर लगाम लगाने के लिए जयपुर पुलिस कमिश्नरेट ने सख्त कदम उठाया है। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) डॉ. राजीव पचार ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) 2023 की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा जारी कर पूरे कमिश्नरेट क्षेत्र में हुक्का बार के संचालन पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है । पुलिस आदेश के अनुसार, शहर के होटल, रेस्टोरेंट, नाइट क्लब, डिस्कोथेक और फार्म हाउसों में देर रात तक होने वाली हुक्का पार्टियां युवाओं के लिए 'स्टेटस सिंबल' बनती जा रही हैं । इन स्थानों पर नशे की हालत में कई आपराधिक घटनाएं भी सामने आई हैं । जन सुरक्षा और लोक व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने यह कड़ा निर्णय लिया है ।

यह प्रतिबंधात्मक आदेश 6 फरवरी 2026 से प्रभावी होकर 6 अप्रैल 2026 तक लागू रहेगा । इस दौरान जयपुर के किसी भी ईटिंग हाउस, बार या पब में हुक्के का इस्तेमाल पूरी तरह प्रतिबंधित होगा। आदेश में चेतावनी दी गई है कि यदि कोई भी संचालक या संस्थान इस निषेधाज्ञा का उल्लंघन करता पाया गया, तो उसके विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 के तहत दण्डनीय अभियोग चलाया जाएगा। पुलिस ने सभी थानाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में इस आदेश की कड़ाई से पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

सम्पादकीय

समझौते की रूपरेखा

भारत और अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौते की रूपरेखा पर सहमति बन गई है, जिससे दोनों देशों के बीच व्यापार जल्द शुरू होने की उम्मीद है। अमेरिका ने भारत पर टैरिफ 25% से घटाकर 18% किया और रूस से तेल खरीद पर दंडात्मक शुल्क हटाया। भारत अमेरिकी औद्योगिक और कृषि उत्पादों पर शुल्क कम करेगा, जबकि अमेरिका भारतीय जेनेरिक दवाओं और रत्नों पर शुल्क शून्य करेगा। यह समझौता भारत के निर्यात और 'मेक इन इंडिया' को बढ़ावा देगा।

आखिरकार अमेरिका और भारत के बीच अंतरिम व्यापार समझौते की रूपरेखा पर सहमति बनने की घोषणा हो गई। इसी के साथ अनिश्चितता के तमाम बादल छंट गए और यह स्पष्ट हो गया कि जल्द ही दोनों देशों के बीच व्यापार शुरू हो जाएगा। भारत पर अमेरिकी टैरिफ का 25 से 18 प्रतिशत तय हो जाना और रूस से तेल खरीदने के कारण लगाए गए दंडात्मक 25 प्रतिशत टैरिफ का हट जाना राहत की एक बड़ी खबर है। राहत की बात यह भी है कि दोनों देश समझौते को शीघ्र ही अंतिम रूप देने को तत्पर हैं।

समझौते की रूपरेखा के अनुसार भारत अमेरिका के सभी औद्योगिक सामानों, सूखे अनाज, पशु आहार के लिए ज्वार, मेवे, प्रसंस्कृत फल, सोयाबीन तेल, शराब, स्पिरिट और अन्य उत्पादों सहित कई प्रकार के खाद्य और कृषि उत्पादों पर शुल्क समाप्त या कम करेगा। इसी तरह अंतरिम समझौते के बाद भारत से अमेरिका निर्यात होने वाली जेनेरिक दवाइयों, रत्न, हीरे, विमान के कल-पुर्जों सहित कई वस्तुओं पर शुल्क शून्य हो जाएगा।

यह विशेष रूप से उल्लेखनीय है, क्योंकि पहले यह माना जा रहा था कि भारत से निर्यात होने वाली सभी सामग्री पर 18 प्रतिशत टैरिफ लगेगा। इससे यह भी रेखांकित होता है कि समझौता बराबरी के स्तर पर होने जा रहा है। अमेरिकी टैरिफ में कमी से भारत के कपड़ा, परिधान, चमड़ा, जूते, प्लास्टिक, रबर, जैविक रसायन, घरेलू सजावट, हस्तशिल्प उत्पाद और कुछ मशीनरी के निर्यात को भी बढ़ावा मिलेगा।

व्यापार समझौते की रूपरेखा यह भी बता रही है कि भारत कृषि और डेरी सेक्टर को संरक्षित करने में सक्षम रहा और वे आशंकाएं सही नहीं थीं कि हमें अमेरिकी दबाव के सामने अपने हितों की अनदेखी करनी पड़ सकती है। इसकी पुष्टि संयुक्त बयान के इस अंश से होती है कि भारतीय वस्तुओं पर शुल्क कम करने के लिए अमेरिका भारत के अनुरोध पर विचार करेगा।

यह भी महत्वपूर्ण है कि दोनों देश बाजार पहुंच के अवसरों को और बढ़ाने की दिशा में काम करेंगे। वास्तव में इससे ही दोनों देशों के बीच 2030 तक 500 अरब डालर के व्यापार के लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। व्यापार समझौते पर सहमति की जो रूपरेखा सामने आई, वह यह भरोसा दिलाने वाली है कि भारत की निर्यात क्षमता बढ़ेगी और मेक इन इंडिया अभियान को बल मिलेगा।

यदि इस अभियान को सचमुच बल मिला तो भारत के तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का मार्ग प्रशस्त होगा और साथ ही सप्लाई चेन में भी उसकी भूमिका बढ़ेगी। आज जब दुनिया के प्रमुख देश यह चाहते हैं कि ग्लोबल सप्लाई चेन में भारत बड़ी भूमिका निभाए और चीन के दबदबे को कम करे, तब भारतीय कारोबारियों को विश्व बाजार में अपने बलबूते अपनी जगह बनाने के लिए तैयार रहना होगा।

विचार

नवाचार से आत्मनिर्भर भारत

भारत सरकार ने नवाचार को राष्ट्रीय विकास का आधार मानते हुए प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में नेशनल इनोवेशन काउंसिल का गठन किया। इसका उद्देश्य सरकार, शिक्षा जगत और उद्योग के बीच समन्वय स्थापित कर एक सिस्टमैटिक इनोवेशन इकोसिस्टम विकसित करना था। यह पहला अवसर था जब नवाचार को केवल प्रयोगशालाओं तक सीमित न रखकर उसे समाज, उद्योग और नीति से जोड़ा गया।

■ हनुमंत सिंह

भारत जैसे विशाल और विविधताओं से भरे देश के लिए आत्मनिर्भरता केवल एक नारा नहीं, बल्कि एक दीर्घकालिक राष्ट्रीय आवश्यकता है। यह आत्मनिर्भरता नवप्रवर्तन, नवाचार और स्टार्टअप संस्कृति के माध्यम से ही साकार हो सकती है। बीते डेढ़ दशक में भारत ने इस दिशा में एक सुविचारित, चरणबद्ध और नीतिगत यात्रा तय की है, जिसने देश की आर्थिक, औद्योगिक और तकनीकी संरचना को नई दिशा दी है।

राष्ट्रीय नवाचार सोच की नींव : सन 2010 में भारत सरकार ने नवाचार को राष्ट्रीय विकास का आधार मानते हुए प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में नेशनल इनोवेशन काउंसिल का गठन किया। इसका उद्देश्य सरकार, शिक्षा जगत और उद्योग के बीच समन्वय स्थापित कर एक सिस्टमैटिक इनोवेशन इकोसिस्टम विकसित करना था। यह पहला अवसर था जब नवाचार को केवल प्रयोगशालाओं तक सीमित न रखकर उसे समाज, उद्योग और नीति से जोड़ा गया।

विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार नीति 2013-नवाचार और आर्थिक विकास का सीधा संबंध-इसके बाद वर्ष 2013 में विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार नीति अस्तित्व में आई। यह भारत की पहली ऐसी व्यापक नीति थी जिसने नवाचार को सीधे आर्थिक विकास से जोड़ा। इस नीति ने सार्वजनिक-निजी अनुसंधान एवं विकास, उद्योग-नेतृत्व वाले नवाचार, स्टार्टअप्स तथा एमएसएमई MSME क्षेत्र की सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित किया। यहीं से यह स्पष्ट हुआ कि रोजगार, उत्पादन और प्रतिस्पर्धा का भविष्य नवाचार आधारित अर्थव्यवस्था में निहित है।

स्टार्टअप इंडिया और नीति युग की शुरुआत-16 जनवरी 2016 को स्टार्टअप इंडिया के शुभारंभ के साथ भारत में स्टार्टअप नीति युग की औपचारिक शुरुआत हुई। यह केवल एक योजना नहीं थी, बल्कि भारत के युवाओं, उद्यमियों और नवप्रवर्तकों के लिए एक विश्वास का संकल्प था। भारत जैसे विशाल देश के लिए ऐसी नीति की आवश्यकता थी जो रोजगारोन्मुख हो, देश की समस्याओं के अनुरूप तकनीक विकसित करे और विशाल युवा जनसंख्या को अवसर प्रदान करे।

भारत की सबसे बड़ी ताकत उसकी युवा आबादी और विशाल मानव संसाधन है, किंतु एक बड़ी चुनौती यह भी रही है कि इस मानव संसाधन का बड़ा भाग लंबे समय तक अप्रशिक्षित रहा। स्टार्टअप और नवाचार ने इस चुनौती को अवसर में बदला—जहाँ समस्या को पहचानकर, उसके समाधान को तकनीक के माध्यम से रोजगारोन्मुख उद्योग में बदला गया।

नवप्रवर्तन : रोजगार और आत्मनिर्भरता का आधार

नवप्रवर्तन स्वभाव से ही रोजगारोन्मुख होता है। इसमें हम अपनी सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय समस्याओं को अपने ही विचारों और संसाधनों से हल करते हैं। यही प्रक्रिया आगे चलकर उद्योग का रूप लेती है और देश को आत्मनिर्भर बनाती है। आज भारत विश्व की सबसे बड़ी युवा आबादी वाला देश है, और इस आबादी को रोजगार उपलब्ध कराना केवल पारंपरिक तरीकों से संभव नहीं है। इसके लिए नवीन सोच, तकनीकी नवाचार और स्टार्टअप संस्कृति अनिवार्य है।

भारत केवल बाजार नहीं, निर्माता राष्ट्र बने-आज का युग आर्थिक प्रतिस्पर्धा का युग है, जहाँ देश एक-दूसरे को बाजार के रूप में देखते हैं। भारत विश्व के सबसे बड़े बाजारों में से एक है, किंतु यदि हम केवल उपभोक्ता बनकर रह गए, तो हमारी अर्थव्यवस्था कभी सशक्त नहीं हो पाएगी। यदि किसी देश को केवल बाजार के रूप में देखा जाता है और उसमें उत्पादन एवं नवाचार की क्षमता नहीं होती, तो वह अन्य देशों

के निम्न गुणवत्ता या अत्यधिक महंगे उत्पादों से भर दिया जाता है। इससे न तो औद्योगिक विकास संभव होता है और न ही आर्थिक आत्मनिर्भरता।

आप सभी को विदित होगा की हमारे पड़ोसी देश मे कोरोना महामारी के दौरान चीन द्वारा होजरी वस्त्र, जिसके की अंत:वस्त्र बनाए जाते है और कहीं-कहीं अंत:वस्त्र को काट कर बनाए गए मास्क लाखों के संख्या मे भेजे गए एवं दूसरी और भारत मे कोरोना समय मे मास्क और पी.पी.ई. किट का बहुत काम संख्या मे निर्माण होता था, ने अपनी इच्छा शक्ति और नवाचार के मदद से ना सिर्फ अपनी जरूरतों को पूरा किया वरन आज इनके निर्यात मे भी अपनी उपस्थिति बनाई है। आज हमारा देश का स्टार्टअप इकोसिस्टम, विश्व का एक सबसे बड़ा इकोसिस्टम है और यह सब नवीन विचार, या स्टार्टअप की सहायता से संभव हो पाया है।

कोविड काल : नवाचार की वास्तविक परीक्षा

कोविड-19 महामारी ने नवाचार की वास्तविक शक्ति को दुनिया के सामने रखा। प्रारंभिक दौर में भारत मास्क और PPE किट का आयातक था, जबकि हमारे पड़ोसी देश निम्न गुणवत्ता वाले उत्पाद तक भेज रहे थे किंतु भारत ने अपनी इच्छाशक्ति, नवाचार और स्टार्टअप इकोसिस्टम के बल पर न केवल अपनी आवश्यकताओं को पूरा किया, बल्कि आज PPE किट और मेडिकल उत्पादों का निर्यातक बन गया।

इसी प्रकार कोविड वैक्सीन के संकट के समय भारत ने न केवल अपनी वैक्सीन विकसित की, बल्कि सैकड़ों गरीब और जरूरतमंद देशों को नि:शुल्क वैक्सीन प्रदान कर 'वैश्विक मानवता' का उदाहरण प्रस्तुत किया। यह केवल वैज्ञानिक उपलब्धि नहीं, बल्कि नवाचार आधारित नीति और आत्मनिर्भर सोच का परिणाम था।

स्वदेशी तकनीक और वैश्विक पहचान-आज चिकित्सा क्षेत्र में भारतीय MRI मशीनें, अंतरिक्ष क्षेत्र में ISRO के साथ निजी कंपनियों की भागीदारी, रक्षा, शिक्षा, विज्ञान और तकनीक के क्षेत्रों में स्टार्टअप्स की सक्रिय भूमिका—यह सब भारत को आयातक से निर्यातक बनाने की दिशा में ले जा रहा है। आज भारत का स्टार्टअप इकोसिस्टम विश्व के सबसे बड़े इकोसिस्टम्स में से एक है।

नीतिगत समर्थन और शैक्षणिक संस्थानों की भूमिका : सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के साथ-साथ देश के शीर्ष शैक्षणिक संस्थान—IIT, NIT, इंजीनियरिंग कॉलेज, विश्वविद्यालय और उनकी उन्नत प्रयोगशालाएँ, विशेषज्ञ प्रोफेसर और शोधकर्ता स्टार्टअप इकोसिस्टम का हिस्सा बने हैं। इसके परिणामस्वरूप उपयोगी, व्यावहारिक और देश-हितकारी तकनीकों का विकास संभव हो पाया है।

नवप्रवर्तन, नवाचार और स्टार्टअप न केवल तकनीक या रोजगार प्रदान करते हैं, बल्कि देश के युवाओं में एक आत्मनिर्भर विचारधारा का निर्माण करते हैं। यदि समस्या हमारी है, तो समाधान भी हमारा ही होना चाहिए। यही सोच भारत को वैश्विक मंच पर एक मजबूत अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित करती है—एक बाजार के रूप में नहीं, बल्कि एक निर्माता राष्ट्र के रूप में।

निश्चय ही इस यात्रा में कुछ व्यावहारिक चुनौतियाँ हैं, जिनका समाधान आवश्यक है। इन पर विचार और चर्चा भविष्य में की जानी चाहिए ।

(लेखक शोधकर्ता है)

तालियों में डूबा साहित्य और शब्दों की तलाश में पाठक

एक समय लेखक अपने लिखे को लेकर संशय में रहता था, आज वह पोस्टर की डिज़ाइन पर बेचैन है। पहले पूछा जाता था- 'क्या लिखा है?' अब सवाल है- 'कितने फॉलोअर्स हैं?' साहित्य का मूल्यांकन रचना से नहीं, रेंज से होने लगा है।

■ सर्वेश भट्ट

आज साहित्य चुपचाप जन्म नहीं लेता, वह पूरे शोर-शराबे के साथ लॉन्च होता है। कविता पढ़ी नहीं जाती-रील बनती है। कहानी सुनी नहीं जाती-सेल्फी के फ्रेम में फिट होती है। शब्द साधना से निकलकर स्पॉटलाइट में खड़े हो गए हैं।

लेखक से ज्यादा पोस्टर ज़रूरी

एक समय लेखक अपने लिखे को लेकर संशय में रहता था, आज वह पोस्टर की डिज़ाइन पर बेचैन है। पहले पूछा जाता था- 'क्या लिखा है?' अब सवाल है- 'कितने फॉलोअर्स हैं?' साहित्य का मूल्यांकन रचना से नहीं, रेंज से होने लगा है।

साहित्य उत्सव या उत्सव में फँसा साहित्य

साहित्य उत्सवों में साहित्य कहीं पीछे छूट जाता है, उत्सव आगे आ जाता है। मंच पर रोशनी, नीचे मोबाइल। श्रोता सुनने नहीं, रिकॉर्ड करने आए हैं। लेखक बोल रहा है, शब्द फिल्टर खोज रहे हैं।

जो हल्का है वही 'भारी' है

गंभीर लेखक किनारे बैठा है, हल्का लेखक मंच पर भारी है। गहराई अब गुण नहीं, बाधा बन चुकी है। जो तुरंत समझ आ जाए वही 'समकालीन' है, जो सोचने पर मजबूर करे वह 'कठिन'।

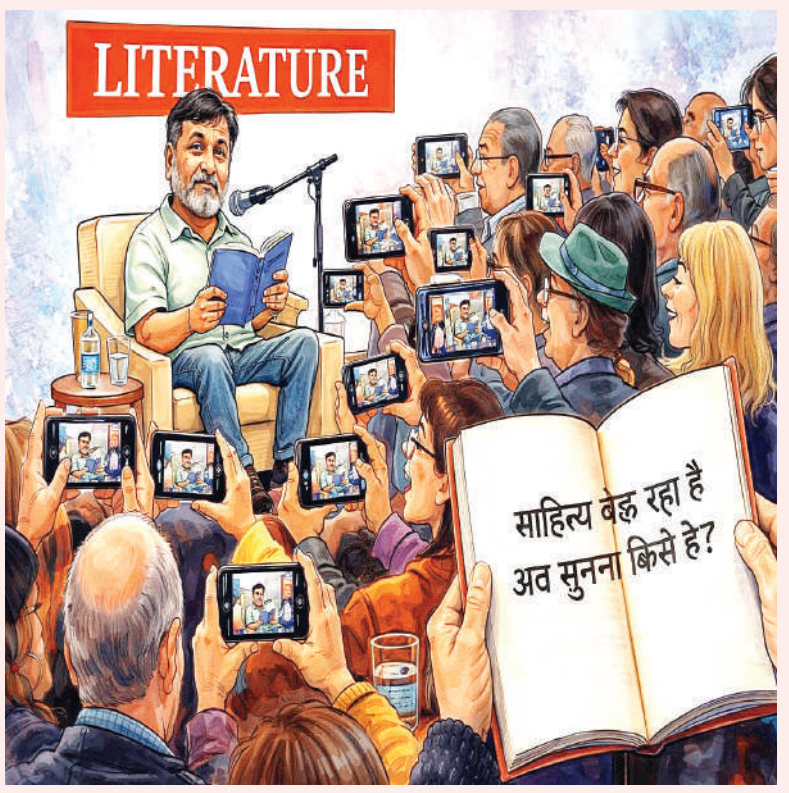

ट्रेंड में लिखा, ट्रॉली में डाला

आज प्रेम बिकता है, कल प्रतिरोध बिकेगा। विषय नहीं बदले हैं, पैकेजिंग बदली है। जो नहीं बिकता वह साहित्य नहीं, 'जोखिम' कहलाता है।

आलोचना

अब एक असभ्य शब्द : सवाल पूछना बदतमीज़ी हो गया है। आलोचना असुविधाजनक लगती है। मंच मुस्कान चाहता है, मंथन नहीं। लेखक एक-दूसरे की पीठ थपथपाते हैं-क्योंकि सामने खड़े होने की जगह पहले ही भर चुकी है।

पाठक

भीड़ में सबसे अकेला

किताबें बहुत हैं, पाठक अकेला। मंचों की चकाचौंध में शब्द खो गए हैं। साहित्य कभी समाज की धड़कन था, अब वह नोटिफिकेशन बनकर रह गया है।

फिर भी उम्मीद जिंदा है

साहित्य उत्सवों से नहीं, एक बेचैन पाठक से जिंदा रहता है। जो ताली नहीं, सवाल लाता है। जो सेल्फी नहीं, संवाद चाहता है। जब तक ऐसा पाठक है, साहित्य सिर्फ आउंबर नहीं—आवाज़ बना रहेगा।

अंत में...
मंच लगा है,
माइक चालू है,
साहित्य बोल रहा है—
अब सुनना किसे है,
यही सबसे बड़ा सवाल है।

(वरिष्ठ पत्रकार एवं कला समीक्षक)

सिंधु समझौता सस्पेंड होने के बाद अब एक्शन में मोदी सरकार

चिनाब पर भारत का पावर प्रोजेक्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि को सस्पेंड करने के बाद मोदी सरकार ने चिनाब नदी पर बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर और ऊर्जा प्रोजेक्ट की दिशा में अहम कदम उठाया है। सरकारी कंपनी एनएचपीसी ने जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में सावलकोट हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट के निर्माण के लिए टेंडर जारी कर दिया है। एनएचपीसी ने चिनाब नदी पर बनने वाले इस सावलकोट हाइड्रो प्रोजेक्ट के लिए 5129 करोड़ रुपये की लागत से जुड़ा टेंडर खोला है। यह पूरा प्रोजेक्ट एक ही पैकेज के तहत तैयार किया जाएगा।

टेंडर दस्तावेज के मुताबिक, इस पैकेज में डाइवर्जेंट टनल का निर्माण, एडिट, डीटी और कोफर डैम का निर्माण शामिल है। इसके अलावा मांडिया नाला डीटी, इससे जुड़े सड़क निर्माण कार्य, राइट बैंक स्पाइरल टनल, एक्सेस टनल और डैम से जुड़े सभी सहायक कार्य भी इसी पैकेज का हिस्सा होंगे। यह प्रोजेक्ट चिनाब नदी पर बिजली उत्पादन के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है। एनएचपीसी के टेंडर के अनुसार इस परियोजना के लिए बोली 12 मार्च से शुरू होगी और 20 मार्च तक चलेगी। बोली की वैधता अवधि 180 दिन रखी गई है। वहीं, निर्माण कार्य को पूरा करने की समयसीमा 3285 दिन तय की गई है। सावलकोट हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट से कुल 1856 मेगावाट बिजली उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है।

माना जा रहा है कि यह प्रोजेक्ट जम्मू-कश्मीर की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ देश की पावर ग्रिड को भी मजबूत करेगा। सिंधु जल संधि को लेकर पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव के बीच इस प्रोजेक्ट को भारत की रणनीतिक और आर्थिक मजबूती के तौर पर देखा जा रहा है। चिनाब नदी पर यह परियोजना भारत के जल संसाधनों के बेहतर इस्तेमाल की दिशा में बड़ा कदम मानी जा रही है।

ऐतिहासिक भारत-अमेरिका ट्रेड डील

50 प्रतिजशत से घटकर 18 प्रतिशत हुआ टैरिफ, निर्यातकों के लिए खुला 30 ट्रिलियन का बाजार

बोले- भारतीय कृषि और डेयरी हितों से कोई समझौता नहीं, लघु उद्योगों के लिए खुलेंगे नए रास्ते

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार के एक नए युग की शुरुआत हुई है। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को लोकसभा में भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते की विस्तार से जानकारी दी। एक साल की लंबी बातचीत के बाद हुए इस समझौते को मंत्री ने 'विकसित भारत 2047' की दिशा में एक मील का पत्थर बताया। इस डील के तहत अमेरिका ने भारतीय उत्पादों पर लगने वाले भारी टैरिफ को आधा से भी कम कर दिया है।

टैरिफ में भारी कटौती:भारतीय उत्पादों को मिलेगी धार

वाणिज्य मंत्री ने बताया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच हुई चर्चा के बाद, अमेरिका ने भारतीय निर्यात पर लगने वाले टैरिफ को 50 प्रतिशत से घटाकर मात्र 18 प्रतिशत कर दिया है। यह दर अमेरिका द्वारा चीन (35ल) और वियतनाम जैसे प्रतिस्पर्धी देशों पर लगाए गए टैरिफ से भी काफी कम है, जिससे वैश्विक बाजार में मेड इन इंडिया उत्पादों की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी।

पीयूष गोयल ने लोकसभा में रखा 'मेगा डील' का ब्यौरा

इन उत्पादों पर होगा 'जीरो टैरिफ'

समझौते के तहत कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भारतीय निर्यातकों को बिना किसी टैक्स जीरो टेरिफ के अमेरिकी बाजार में प्रवेश मिलेगा जेनेरिक दवाओं और फार्मास्युटिकल अवयवों पर शून्य शुल्क। एविएशन : एयरक्राफ्ट पार्ट्स और मशीनरी पुर्जों पर सेक्शन 232 के तहत छूट। चाय, कॉफी, हस्तशिल्प और ताजे फलों पर भी टैरिफ खत्म।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील की 10 बड़ी बातें

- भारतीय निर्यातकों के लिए अमेरिका का 30 ट्रिलियन डॉलर का विशाल बाजार खुल गया है।
- टैरिफ राहत भारतीय वस्तुओं पर औसत टैरिफ अब 50ल के बजाय केवल 18ल होगा।
- सुरक्षा कवच पीयूष गोयल ने स्पष्ट किया कि कृषि और डेयरी जैसे संवेदनशील क्षेत्रों के हितों की पूरी तरह रक्षा की गई है।
- रूसी तेल पर पेनल्टी खत्म:भारत द्वारा रूसी तेल खरीद पर अमेरिका द्वारा लगाया गया अतिरिक्त 25ल दंडात्मक टैरिफ वापस ले लिया गया है।
- परमाणु और ऊर्जा भारत अगले 5 वर्षों में अमेरिका से 500 बिलियन की ऊर्जा (कोयला, गैस) और टेक्नोलॉजी की खरीद करेगा।
- श्रम प्रधान क्षेत्रों को लाभ:कपड़ा, चमड़ा, फुटवियर और हस्तशिल्प जैसे रोजगार देने वाले क्षेत्रों को सीधा फायदा होगा।
- एमएसएमईएस के लिए मौका:छोटे कारोबारियों के लिए अमेरिकी सप्लाई चेन का हिस्सा बनने का यह स्वर्णिम अवसर है।
- तकनीकी सहयोग दोनों देश त्रक्क (ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट) और डेटा सेंटर उपकरणों के व्यापार में सहयोग बढ़ाएंगे।
- सेब और दालों पर कोटा अमेरिकी सेब और दालों के आयात पर न्यूनतम आयात मूल्य और कोटा लागू रहेगा ताकि स्थानीय किसान सुरक्षित रहें।
- अंतरिम से पूर्ण समझौता:यह एक अंतरिम ढांचा है, जिसे जल्द ही पूर्ण द्विपक्षीय व्यापार समझौते में बदला जाएगा।

विपक्ष के सवाल और सरकार का जवाब

सदन में विपक्ष द्वारा कृषि क्षेत्र में रियायत देने के आरोपों पर पीयूष गोयल ने कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने कहा कि भारत आज मजबूत स्थिति से सौदेबाजी कर रहा है। उन्होंने उदाहरण दिया कि सेब पर 100 रुपये (80 आयात मूल्य + 20 टैरिफ) की सुरक्षा दी गई है और सोयाबीन तेल पर भी कोटा निर्धारित है। पीयूष गोयल का वक्त व्य यह सिर्फ एक व्यापारिक समझौता नहीं है, बल्कि दो महान लोकतंत्रों के बीच आपसी विश्वास का प्रतीक है। इससे भारत के किसानों, मछुआरों और उद्यमियों की आय दोगुनी करने में मदद मिलेगी।

ऊर्जा क्षेत्र में राजस्थान की बड़ी छलांग: कुसुम योजना के लिए 46.64 करोड़ की केंद्रीय सहायता मंजूर

मुख्यमंत्री के प्रयासों से मिली सफलता, ऊर्जादाताओं के खातों में सीधे पहुंचेगी राशि

जयपुर (विशेष संवाददाता)। राजस्थान में सौर ऊर्जा की क्रांति को एक नई गति मिली है। प्रधानमंत्री कुसुम योजना के 'कम्पोनेंट-सी' के तहत प्रदेश में विकेन्द्रित सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने वाले ऊर्जादाताओं और डवलपरों के लिए केंद्र सरकार ने 46 करोड़ 64 लाख रुपये की केन्द्रीय वित्तीय सहायता (ष्ह्र) स्वीकृत की है।

यह उपलब्धि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के हालिया दिल्ली दौरे और केन्द्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री प्रल्हाद जोशी से की गई व्यक्तिगत मुलाकात का परिणाम है। मुख्यमंत्री के आग्रह और ऊर्जा विभाग के निरंतर समन्वय के बाद मंत्रालय ने यह राशि जारी करने की मंजूरी दी है।

एक नजर में

सीधे खातों में हस्तांतरण : यह राशि केन्द्रीय नोडल एजेंसी 'सेकी' द्वारा लाभार्थियों के बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से भेजी जाएगी। प्रथम चरण में जयपुर, जोधपुर और अजमेर विद्युत वितरण निगमों के अंतर्गत आने वाली परियोजनाओं के लिए यह स्वीकृति मिली है। प्रदेश में फीडर लेवल सोलराइजेशन के तहत 2,462 मेगावाट की कुल 991 परियोजनाएं स्थापित की गई हैं, जिनके लिए 233 करोड़ से अधिक के क्लेम भेजे जा चुके हैं।

निर्धारित समय से 2 माह पहले हासिल किया 3,000 रूड्ड का लक्ष्य : राज्य ने अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में एक और ऐतिहासिक कीर्तिमान स्थापित किया है। मुख्य सचिव ने 3,000 मेगावाट क्षमता अर्जित करने के लिए 31 मार्च 2026 की समयसीमा तय की थी, लेकिन राजस्थान डिस्कॉम्स और किसानों के साझा प्रयासों से इस लक्ष्य को लगभग दो माह पूर्व ही (फरवरी 2026 में) हासिल कर लिया गया है।

'हमारा किसान अब केवल 'अन्नदाता' ही नहीं, बल्कि 'ऊर्जादाता' भी बन गया है। पीएम कुसुम योजना के माध्यम से हम आत्मनिर्भर राजस्थान के संकल्प को साकार कर रहे हैं।'

-भजनलाल शर्मा, मुख्यमंत्री

पेंशनर्स के लिए खुशखबरी: अब घर आकर डाकिया बनाएगा 'जीवन प्रमाण पत्र

राजस्थान के 8 लाख पेंशनधारकों को मिलेगा लाभ; इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के साथ शुरू हुई डोरस्टेप सेवा

जयपुर (विशेष संवाददाता)। राजस्थान के लाखों ईपीएफ पेंशनधारकों के लिए 2026 की शुरुआत एक बड़ी सौगात लेकर आई है। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ने इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के साथ मिलकर 'डोरस्टेप डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट' सेवा को राज्यव्यापी स्तर पर सक्रिय कर दिया है।

अब बुजुर्ग पेंशनर्स को अपना जीवन प्रमाण पत्र जमा करने के लिए बैंकों या ईपीएफओ कार्यालयों की लंबी लाइनों में लगने की जरूरत नहीं होगी।

प्रमुख विशेषताएं और लाभ

पूरी तरह नि:शुल्क सेवा ईपीएफओ ने स्पष्ट किया है कि सफल ष्ठरुष्ट जनरेशन के लिए पेंशनर से कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। इस सेवा का पूरा खर्च स्वयं ईपीएफओ वहन करेगा। डाक सेवक या पोस्टमैन पेंशनर के घर पहुंचकर आधार आधारित फेस ऑथेंटिकेशन या बायोमेट्रिक तकनीक के जरिए डिजिटल प्रमाण पत्र जारी करेंगे।

मार्च 2026 तक का लक्ष्य: राजस्थान के क्षेत्रीय कार्यालयों को उन मामलों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए हैं जिनका जीवन प्रमाण पत्र पिछले 2 से 5 वर्षों से लंबित है।

सेवा का लाभ कैसे उठाएं?

पेंशनधारक नीचे दिए गए आसान तरीकों से इस सुविधा के लिए अनुरोध कर सकते हैं। कॉल के माध्यम से आईपीपीबी के कस्टमर केयर नंबर 033-22029000 पर कॉल करें।

मोबाइल ऐप: गूगल प्ले स्टोर से पोस्ट इनफो ऐप डाउनलोड करें और 'स्द्गह्म्द्बष्द्ग ऋद्गह्नह्वद्गह्यह्ल' सेक्शन में जाकर आवेदन करें।

वेबसाइट: इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर भी रिक्वेस्ट डाली जा सकती है।

हैकिंग का नया खतरा: राजस्थान पुलिस ने जारी की 'रिकवरी गाइड', आज ही देख लें

जयपुर। राजस्थान में साइबर अपराधियों ने ठगी का नया और सबसे खतरनाक तरीका खोज लिया है— आपका वाट्सएप अकाउंट। हाल ही में महानिदेशक पुलिस (साइबर क्राइम) के निर्देशानुसार एक विशेष सुरक्षा गाइडलाइन जारी की गई है। उपमहानिरीक्षक विकास शर्मा के अनुसार, ठग अब आपके अकाउंट का एक्सेस लेकर न केवल आपकी प्राइवेसी में सेंध लगा रहे हैं, बल्कि आपके रिश्तेदारों से पैसों की मांग कर बैंकिंग धोखाधड़ी को भी अंजाम दे रहे हैं।

ठगों का 'जाल': आप कैसे बनते हैं शिकार?

साइबर अपराधी मुख्य रूप से इन तीन तरीकों से आपके फोन का नियंत्रण हासिल करते हैं।

फेक लिंक: लुभावने ऑफर्स, सरकारी योजना या 'डर' पैदा करने वाले मैसेज के साथ भेजे गए संदिग्ध

लिंक। बैंक अधिकारी या लकी ड्रा का झांसा देकर आपसे ओटीपी मांगना। हैक हुआ अकाउंट वापस पाने की 'रिकवरी गाइड' यदि आपका वाट्सएप हैक हो गया है, तो राजस्थान पुलिस ने इसे रिकवर करने के लिए ये स्टेप बाई स्टेप प्रक्रिया बताई है। अनइस्टॉल और सिम निकालें: सबसे पहले फोन से वाट्सएप डिलीट करें और सिम कार्ड को बाहर निकाल लें।

एंटीवायरस स्कैन: फोन को किसी सुरक्षित वाई-फाई से जोड़ें, एक भरोसेमंद एंटीवायरस डाउनलोड करें और फुल स्कैन कर संदिग्ध फाइल्स या 'बोट्स' डिलीट करें।

खाटू श्याम मेला 2026: भक्तों के लिए रेलवे की 'सौगात', चलेंगी 16 स्पेशल ट्रेनें

18 फरवरी से 2 मार्च तक दो चरणों में होगा संचालन, दिल्ली, हरियाणा और गुजरात रूट को प्राथमिकता

सीकर/रींगस (विशेष संवाददाता)। विश्व प्रसिद्ध खाटू श्यामजी के वार्षिक फाल्गुन लक्खी मेले 2026 के लिए उत्तर पश्चिम रेलवे (ह्रङ्ख्रक्र) ने श्रद्धालुओं को बड़ी राहत दी है। मेले में उमड़ने वाली भीड़ को देखते हुए रेलवे ने 16 स्पेशल ट्रेनों के संचालन की घोषणा की है। यह मेला 21 फरवरी से शुरू होकर 28 फरवरी तक चलेगा, जिसमें 27 फरवरी को मुख्य 'फाल्गुन एकादशी' का पर्व मनाया जाएगा। दो चरणों में सुलभ होगी यात्रा रेलवे प्रशासन के अनुसार, यात्रियों के दबाव को कम करने के लिए ट्रेनों का संचालन दो विशेष चरणों में किया जाएगा: प्रथम चरण (18 फरवरी से 2 मार्च): इसमें कुल 8 स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी। द्वितीय चरण (24 फरवरी से 1 मार्च): एकादशी के चरम यात्री भार को देखते हुए 8 अतिरिक्त ट्रेनें पटरी पर उतरेंगी।

प्रमुख ट्रेनें और उनका समय : भक्तों की सुविधा के लिए विभिन्न रूटों पर ये प्रमुख ट्रेनें उपलब्ध रहेंगी: ट्रेन रूटसमय (प्रस्थान-आगमन) प्रमुख स्टेशन जयपुर-दिल्ली सराय रोहिल्ला सुबह 11:35 - शाम 05:00 रींगस, नीमकाथाना, नारनौल कुरुक्षेत्र-फुलेरा स्पेशलरात 11:30 - सुबह 08:30 रेवाड़ी, नारनौल, रींगसमदार-रेवाड़ी स्पेशलसुबह 04:30 - सुबह 10:40 किशनगढ़, फुलेरा, रींगस हिसार - सूरत/वलसाड़ दोपहर 12:05 - अगले दिन 11:30 अजमेर, नीमच, रतलाम चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा: 450 कैमरे और अतिरिक्त जाब्ता मेले के दौरान रींगस जंक्शन और खाटूधाम

में करीब 30 लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान है।

सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है-सीसीटीवी निगरानी : मंदिर परिसर और प्रमुख मार्गों पर 450 से अधिक सीसीटीवी कैमरों से निगरानी रखी जा रही है।

आरपीएफ तैनाती: रींगस स्टेशन पर भीड़ प्रबंधन के लिए अतिरिक्त आरपीएफ जाब्ता तैनात किया गया है।

हर 20 मिनट में सुविधा: रेलवे ने व्यस्ततम दिनों में रींगस से जयपुर और अन्य दिशाओं के लिए हर 20 मिनट में शटल/पैसेंजर ट्रेन की उपलब्धता सुनिश्चित करने का प्रयास किया है। 'श्रद्धालुओं की भारी आवक को देखते हुए हमने अनारक्षित और आरक्षित दोनों श्रेणियों में विशेष प्रबंध किए हैं। यात्रियों से अनुरोध है कि वे केवल अधिकृत टिकट लेकर ही यात्रा करें।'

— मुख्य जनसंपर्क अधिकारी, उत्तर पश्चिम रेलवे

राजस्थान में डेयरी क्रांति: 19,000 पशुपालक बनेंगे 'एंटरप्रेन्योर', 'गोपाल सखी' योजना को मिली नई उड़ान

जयपुर (विशेष संवाददाता)। राजस्थान की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए प्रदेश में पशुपालकों के लिए वृहद कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत की गई है। राजस्थान कोऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन (ऋष्ठस्न) से संबद्ध 19,000 से अधिक दुग्ध उत्पादकों को अब आधुनिक तकनीक और उद्यमिता का प्रशिक्षण देकर 'डेयरी फार्मर-एंटरप्रेन्योर' बनाया जाएगा।

यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के चौथे चरण (4.0) के तहत

संचालित किया जा रहा है, जिसे भारत सरकार के कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय ने स्वीकृति प्रदान कर दी है।

'गोपाल सखी' योजना : महिला सशक्तिकरण का नया चेहरा

आरसीडीएफ की प्रबंध संचालक श्रुति भारद्वाज ने बताया कि यह पहल मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की दूरदर्शी 'गोपाल सखी' योजना का हिस्सा है।

इस कार्यक्रम के तहत ग्रामीण महिलाओं को विशेष रूप से प्रशिक्षित किया जाएगा। तकनीकी मार्गदर्शक प्रशिक्षित 'गोपाल सखी' अन्य पशुपालकों को पशु स्वास्थ्य, आहार और प्रबंधन पर तकनीकी सलाह देंगी।

व्यावसायिक सहयोग

महिलाएं ग्रामीण क्षेत्रों में डेयरी व्यवसाय को संगठित करने में नेतृत्वकारी भूमिका निभाएंगी। प्रशिक्षण के मुख्य आकर्षण और लाभ इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को पशुपालकों की आय दोगुनी करने और उन्हें संगठित क्षेत्र से जोड़ने के लिए डिजाइन किया गया है।

हिंदुत्व और समरसता का महासंगम : 88 केंद्रों पर 'विराट हिंदू सम्मेलन' संपन्न

मातृशक्ति ने निकाली भव्य कलश और तुलसी यात्राएं, 'पंच-परिवर्तन' से समाज सुधार का संकल्प

जयपुर (विशेष संवाददाता)। राजस्थान की राजधानी जयपुर आज भक्ति, शक्ति और राष्ट्रभक्ति के अनूठे संगम की साक्षी बनी। महानगर के विभिन्न क्षेत्रों में एक साथ 88 विराट हिंदू सम्मेलनों का सफल आयोजन किया गया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित इन कार्यक्रमों के माध्यम से सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण और स्वदेशी के संकल्प को दोहराया गया।

कलश यात्राओं से गुंजायमान हुआ शहर : सभी 88 केंद्रों पर मातृशक्ति का उत्साह देखते ही बन रहा था। पारंपरिक वेशभूषा में सजी 1,000 से अधिक महिलाओं ने भव्य कलश यात्राएं निकालीं। वहीं, 1,500 से अधिक महिलाओं ने तुलसी यात्रा के माध्यम से घर-घर पर्यावरण और शुचिता का संदेश पहुँचाया। आयोजकों के अनुसार, प्रत्येक

हिंदुत्व ही विश्वबंधुत्व का आधार: जसवंत खत्री

मानसरोवर के कमला नेहरू नगर में आयोजित मुख्य सम्मेलन को संबोधित करते हुए राजस्थान क्षेत्र कार्यवाह जसवंत खत्री ने कहा, 'हिंदुत्व ही विश्वबंधुत्व की सच्ची आधारशिला है। जब-जब हिंदू समाज संगठित हुआ है, उसने विश्व को शांति और कल्याण का मार्ग दिखाया है। आने वाले समय में भारत पूरे विश्व का नेतृत्व करेगा।

सम्मेलन में औसतन 2,000 से अधिक लोगों की उपस्थिति रही।

पंच-परिवर्तन: समाज को नई दिशा देने की पहल

इन सम्मेलनों के दौरान 'पंच-परिवर्तन' के माध्यम से समाज सुधार के पांच मुख्य स्तंभों पर चर्चा की गई जातिगत भेदभाव मिटाकर समाज को एकजुट करना। संयुक्त परिवार की परंपरा और संस्कारों को सहेजना। प्लास्टिक मुक्त जीवन, जल संरक्षण और पौधारोपण। स्थानीय उत्पादों का उपयोग कर अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाना। नागरिक कर्तव्य: स्वच्छता बनाए रखना और राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व निभाना।

क्षेत्रवार आयोजनों की मुख्य झलकियां

मानसरोवर एवं दादूदयाल नगर: यहाँ भजन सम्राट प्रकाश माली की प्रस्तुतियों ने समां बांध दिया। वीर माताओं (3 से अधिक संतान वाले परिवार) और मेधावी छात्रों का सम्मान किया गया। 1100 महिलाओं की कलश यात्रा के साथ दहेज-मुक्त विवाह संपन्न कराने वाले परिवारों को सम्मानित कर नई मिसाल पेश की गई। तुलसी पूजन के साथ बच्चों ने देशभक्ति गीतों पर मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। डॉ. अंजलि धाबाई के नेतृत्व में नागरिकों ने प्लास्टिक मुक्त जयपुर के निर्माण की शपथ ली।

सुबह खाली पेट पपीता खाने से होते हैं कई फायदे

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में लाइफस्टाइल और खान-पान के साथ स्वास्थ्य के बीच में संतुलन बनाना बेहद कठिन हो जाता है। बदलती जिंदगी के बीच में स्वास्थ्य और शरीर की देखभाल के लिए अक्सर अनेक उपाय बताए जाते हैं। सुबह खाली पेट पपीता खाने से शरीर में होने वाली अनेक बीमारियों एवं समस्याओं से बेहद आसानी से बचा जा सकता है।

कब्ज

पपीता शरीर की पाचन शक्ति को मजबूत करता है और साथ ही पेट में गैस बनने से भी रोकता है। कब्ज के कारण परेशान लोगों को सुबह खाली पेट पपीता खाने से कब्ज की समस्या में तेजी से आराम मिलता है।

कोलेस्ट्रॉल

पपीते में फाइबर भरपूर मात्रा में पाया जाता है। इतना ही नहीं शरीर में मौजूद कोलेस्ट्रॉल की मात्रा को नियंत्रित करने के लिए भी पपीता एक बहुत उपयोगी दवा का काम करता है। इस दौरान पपीते के नियमित सेवन से शरीर में बढ़े हुए कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित किया जा सकता है।

पोषक तत्व

पपीते में प्रोटीन, पोटैशियम, फाइबर और विटामिन-ए जैसे अनेक पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो कि शरीर को स्वस्थ रखने के लिए बेहद लाभदायक होते हैं। सुबह खाली पेट पपीता खाने से वजन भी आसानी से घटाया जा सकता है।

शरीर ही नहीं ढकते, आपकी इमेज भी तय करते हैं कपड़े

कपड़े न सिर्फ शरीर ढकने के काम आते हैं, बल्कि हमारे व्यक्तित्व, व्यवसाय, स्तर के साथ साथ हमारे चरित्र, व्यवहार, आत्मविश्वास को भी दर्शाने के काम आते हैं। किसी भी व्यक्ति को उसके कपड़े पहनने के तरीके से, कपड़ो के रंग से, कपड़ों की गुणवत्ता से अर्थात पहनावे से सरलता से पहचाना जा सकता हैं, कि उसका सामाजिक स्तर उसकी सोच एवं व्यवसाय किस प्रकार का है।

ढीले कपड़े

ऐसे वस्त्र पहनना व्यक्ति के शांत, कोमल, सीधे एवं सरल स्वभाव को बताता है, ऐसे लोग धैर्यवान, दूसरों को राह बताने वाले, स्वयं को किसी भी परिस्थिति में ढालने वाले होते हैं। प्राय; इनके लग्न या चंद्र पर गुरु गृह का प्रभाव होता हैं इसलिए ये चिंतन, मनन, ध्यान एवं अध्यात्म में ज्यादा रुचि रखते हैं।

तंग कपड़े

ऐसे लोग चुस्त, फुर्तीले, कुछ कर गुजरने की सोच वाले, अस्थिर स्वभाव वाले, निडर एवं साहसी प्रवृत्ति के होते हैं। इनका मन मस्तिष्क हर वक्त किसी न किसी उधेड़ बुन में लगा रहता है। इनके लग्न या चंद्र पर शनि अथवा राहू ग्रह का प्रभाव रहता हैं, दिखावा एवं बहसबाजी करना इन्हें पसंद होता है। लंबे समय तक कोई काम करना इन्हे पसंद नहीं होता, स्वयं पर खूब लगाव रखते हैं, तारीफ के भूखे परंतु खर्च के मामले में कंजूस होते हैं, अपना काम निकलवाने में तथा धन कमाने में ये लोग माहिर होते हैं। कभी-कभी हीन भावना के कारण छोटा रास्ता (शॉर्ट कट) भी अपना लेते हैं

काला रंग

यह रंग त्याग एवं रहस्यात्मकता दर्शाता है, जिस कारण इनका प्रयोग करने वाले लोग अच्छे विचारवान एवं अनुशासित होते हैं, जिन्हें स्वयं पर पूरा नियंत्रण होता है। यह अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाना जानते हैं, इनके जीवन में आकस्मिक घटनाएं ज्यादा होती हैं, जिस कारण इनके व्यक्तित्व एवं कार्य पर हमेशा प्रश्नचिह्न लगता रहता है। यह लोग शनि ग्रह से संबंधित होने के कारण मकर या कुंभ राशि के हो सकते हैं।

लाल रंग

इस रंग के कपड़े ज्यादा पहनने वाले लोग गुस्सेबाज, कामुक, उत्साही, ऊर्जावान तथा प्रबल इच्छाशक्ति वाले होते हैं, जो ठान लेते हैं उसे करके ही दम लेते हैं। सुनते कम एवं सुनाते ज्यादा हैं, इनमें धैर्य की कमी होती है, जिससे इन्हें कई बार हानि का सामना करना पड़ता है। अपनी हरकतों एवं बातों के द्वारा ये सदा आकर्षण का केंद्र बनना चाहते हैं। यह लोग मंगल ग्रह से प्रभावित होने के कारण ज्यादातर मेष अथवा वृश्चिक राशि के हो सकते हैं।

कपड़ों का रंग

ज्यादातर लोग कुछ विशेष रंग के कपड़ों का प्रयोग कुछ ज्यादा करते हैं, इससे उनके स्वभाव एवं व्यक्तित्व का काफी पता चलता है।

पीला रंग

ऐसे जातक चुनौती पसंद, प्रेरणा प्रदान करने वाले एवं सदा अपने कार्यों मे लगे रहने वाले होते हैं। आध्यात्मिक प्रवृति के लोग सहजता से जीवन गुजारना पसंद करते हैं। इनकी वाणी मे मिठास, समर्पण एवं अपनत्व की भावना अधिक होती है। ऐसे लोग गुरु ग्रह से प्रभावित होने के कारण धनु व मीन राशि के हो सकते हैं।

नीला रंग

- ऐसे लोग आत्मनिर्भर एवं गहरे विचार रखने वाले होते हैं, काल्पनिक एवं व्यावहारिक
- दोनों प्रकार का दृष्टिकोण रखते हैं। शांत एवं जरूरत से ज्यादा श्रम करने
- के शौकीन तथा किसी भी बात की तह तक जाना पसंद करते हैं, जिस कारण
- इन्हें कई बार दूसरों की जिम्मेदारियां भी पूरी करनी पड़ती हैं। ऐसे लोग शनि एवं शुक्र
- दोनों ग्रहो के प्रभाव में रहते हैं।

हरा रंग

यह लोग अपनी वाणी से किसी को भी अपना बना लेते हैं, परंतु किसी पर जल्दी से भरोसा नहीं करते, स्वतंत्र जीने के शौकीन यह लोग किसी के अधीन न रहकर घूमने फिरने का बेहद लगाव रखते हैं। हर समस्या का समाधान इनके पास होता हैं। ऐसे लोग बुध ग्रह से प्रभावित होने के कारण मिथुन या कन्या राशि के होते हैं।

भूरा रंग

यह लोग आत्मकेंद्रित, अकेले जीवन जीने वाले तथा स्वनियंत्रित होते हैं। अच्छे मार्गदर्शक एवं आलोचक हो सकते हैं। समय का नियोजन न कर पाने के कारण हमेशा तनाव मे रहते हैं। इन जातकों पर राहू ग्रह का ज्यादातर प्रभाव रहता हैं।

गुलाबी रंग

इस रंग को चाहने वाले लोग स्नेही, उदार एवं समझदार होते हैं, परंतु इनमे इच्छाशक्ति का अभाव होता है। अपनी उम्र के हिसाब से इनमें बचपना अधिक रहता है। छोटी सी बात भी इन्हें परेशान कर देती हैं। यह लोग सूर्य ग्रह से प्रभावित होने के कारण सिंह राशि के हो सकते हैं।

शरीर के ऑउटफिट के हिसाब से चुनें अपने कपड़े

व्यक्तित्व की खूबसूरती में लगा देंगे चार-चांद

हर किसी की यह असीम चाह होती है कि वह भीड़ में उम्दा नजर आए। इसके खातिर वह तरह-तरह के कपड़ों का चयन भी करता है। इस दौरान कपड़े का चयन करते वक्त अगर वह थोड़ा सी भी फैशन क ख्याल कर ले तो कपड़े और भी बेहतर नजर आएंगे, या यूं कहे तो ऑउटफिट के मुताबिक कपड़ों का चयन करना व्यक्ति की खूबसूरती में चार-चांद लगाने का काम करेगा। यकीनन हम अपने कपड़े खरीदने के दौरान अपने शरीर के बनावट का ख्याल नहीं रखते हैं, बस कपड़े का रंग, डिजाइन और कीमत देखकर यूं चुटकियों में कपड़ों की खरीदारी कर लेते हैं, जबकि यह बहुत ही खास बात है कि अगर अपने बॉडी ऑउटफिट से मिलता-जुलता कपड़ा खरीदते हैं तो आप ज्यादा बेहतर नजर आएंगे और भीड़ में शामिल सभी लोगों में आप अलग दिखेंगे, तो चलिए आज हम हर तरह के शरीर के हिसाब से एक खास ऑउटफिट को जानेंगे, जिन्हें आजमा आप भी एक डैशिंग लुक पा सकेंगे।

छोटा है कद तो

छोटे कद वाले अगर लंबे कपड़े पहनते हैं तो इसे वे और भी ज्यादा छोटे नजर आते हैं, इसलिए आप छोटे कपड़ों का ही चयन करें। इस हाइट वाले लोगों के ऊपर स्पोर्ट शूज और स्पोर्ट शर्ट और एनी स्पोर्ट कपड़े ज्यादा अच्छा नजर आते हैं।

लंबे कद वालों के लिए

जिन लोगों का कद लंबा होता है उनके ऊपर हर तरह के ऑउटफिट बेहतर नजर आते हैं। यूं कहे तो वो किसी भी फैशन को फॉलो कर लेते हैं तो उन पर अच्छा लगता है।

मोटे शरीर वालों के लिए

जिन लोगों का शरीर मोटा होता है, ऐसे लोग हलके कलर के कपड़ों का चयन करें तो उन पर बेहतर लगेगा। कपड़ों का चयन करते समय यह जरूर ध्यान दें कि कपड़ा टाइट न हो। अगर आप टाइट कपड़ा पहनते हैं तो इससे आपकी शरीर का पूरा मोटापा नजर आएगा और आप बेहतर नजर नहीं आ पाएंगे।

क्या यह हर किसी के खतिर कम आएगा?

जी हां! ऊपर बताए गए सभी ऑउटफिट के मुताबिक कपड़ों को महिला और पुरुष दोनों ही बेहतर ढंग से इस्तेमाल कर सकते हैं। बस कलर का चयन आप खुद से करें और एक बेहतर कलर का ही चयन करें। इस दौरान आप दुकान वालों की सहायता ले सकते हैं।

अगर कंधे हैं कम चौड़े

एक चौड़ा कंधा महिला और पुरुष दोनों के बॉडी को बेहतर लुक देता है, लेकिन अगर आपका कंधा संकरा ही तो ऐसे वस्त्र के चयन की आवश्यकता है, जो कंधे को चौड़ा दिखा सके या आपका कंधा उभरा हुआ नजर आए। इसके खातिर आप अपने कंधे के पास स्टाल, स्कार्फ या ज्वेलरी उपयोग में ला सकते हैं। इस दौरान आप डॉट शर्ट का चयन करे जो आपके कंधो को उभरा दिखाने में मदद करेंगे। इसके साथ आप यह हमेशा ख्याल रखें कि आपके कपडें टाइट न हो।

सफेद रंग

इस रंग का प्रयोग करने वाले लोग शांत, संतुलित, स्पष्ट वक्ता, सकारात्मक एवं आशावादी दृष्टिकोण रखने वाले होते हैं, खुले विचारों वाले ये लोग एकांत एवं साधारण जीवनशैली मे रहना एवं जीना पसंद करते हैं। यह जातक चंद्र ग्रह से प्रभावित होने के कारण कर्क राशि के हो सकते हैं।

ब्रांडेड कपड़े

इस तरह के कपड़े पहनने वाले लोग महत्वकांक्षी, मूडी एवं बिंदास होते हैं। सदैव ऊपर उठने की कोशिश करते रहते हैं, इनमे आत्मविश्वास की कमी होती हैं, जिसे यह छिपाते रहते हैं। दूसरों के प्रति होड़, जलन एवं प्रतिद्वंदिता की भावना इनमें पनपती रहती है, जिस कारण यह अपने को आर्थिक रूप से संपन्न दर्शाते हैं। छोटी-छोटी बातें एवं मोलभाव करना इन्हें पसंद नहीं होता, अपने से कमजोर से यह बहस बाजी करते हैं, परंतु साथ वाले या बड़े से यह ज्यादा नहीं बोलते या बिलकुल चुप रहते हैं। इनके लग्न अथवा चंद्र पर सूर्य ग्रह का प्रभाव रहता हैं, जिस कारण यह बड़े आत्मसम्मान से जीना पसंद करते हैं।

हाथ से बने कपड़े

ऐसे वस्त्र पहनने वाले लोग हंसमुख, संवेदनशील, भावुक, शांत एवं प्रतिभावान होते हैं, अपने सभी कार्य स्वयं करना पसंद करते हैं। इनकी बातों मे दर्शन, धर्म, दया एवं अनुभव साफ झलकता है, ये रचनात्मक एवं कला से संबंधित कार्य करते हैं। पारखी नजर एवं दूरदर्शी होते हुए दूसरों के दुख दर्द को समझते हैं, समय एवं नियम के पक्के होते हैं। प्रायः इनके लग्न या चंद्र का संबंध गुरु या शनि से होता है, जिसके कारण इनकी मेहनत, त्याग एवं प्रेम को लोग समझ नहीं पाते और इनको अपना उचित हक भी नहीं मिल पाता हैं, परंतु यह किसी से शिकायत न करते हुए भी किसी पर आश्रित रहना पसंद नहीं करते हैं।

पहनने का ढंग एवं बांधने का तरीका

नाभि से ऊपर कपड़े बांधने वाले लोग चिंतित, व्याकुल, संजीदा, संस्कार एवं परंपरा को मानने वाले होते हैं। मनचाहा प्राप्त न होने से असहज महसूस करते हैं। वस्तुओं एवं लोगों को जल्दी से अपनी पसंद नहीं बनाते हैं। बड़े-बुजुर्गो का आदर करने वाले तथा रूढ़िवादी विचारधारा के होते हैं।

नाभि के नीचे वस्त्र बांधने वाले लोग

स्वतंत्र विचार रखने वाले, मस्तमौला, अपनी ही दुनिया मे रहने वाले, आत्मविश्वासी एवं निडर प्रवृति के होते हैं। इन्हें बंधन या रोक-टोक में रहना बिल्कुल पसंद नहीं आता, भीड़ से अलग दिखना इन्हें बहुत पसंद होता है। दिखावे के साथ-साथ इनमें कामुकता भी कूट-कूट कर भरी होती है। यह सुनते सबकी हैं पर करते अपने मन की हैं।

चमक-दमक एवं भड़कीले कपड़े पहनने वाले लोग

- यह लोग दिखावटी एवं रसिक मिजाज के होते हैं पारदर्शी वस्त्र पहनने वाले निर्भीक, स्वतंत्र तथा मनमौजी होते हैं।
- प्रेस किए हुए वस्त्र पहनने वाले बुद्धिमान, सभ्य एवं सजग जबकि उधड़े, फटे कपड़े पहने व्यक्ति लापरवाह एवं गैर जिम्मेदार प्रकार के होते हैं।
- कमीज को अंदर दबाकर पहनने वाले औपचारिक एवं सभ्य स्वभाव के तथा कमीज बाहर रखने वाले हंसमुख, रौबीले एवं बिंदास प्रकार के होते हैं।
- प्लेन कमीज या टी शर्ट वाले सीधा, सरल एवं चिंतामुक्त जीवन जीने वाले, जबकि चैक या लाइन कमीज या टी शर्ट पहनने वाले लोग चुनौतियों के शौकीन होते हैं, इन्हें परिवर्तन या नवीनता पसंद होती हैं।

ये खूबसूरत फ्लैट फुटवेयर्स देंगे आपको हर ड्रेस पर स्टाइलिश लुक

आजकल फैशन में कई तरीके के फुटवियर है, हील्स वाले फुटवियर जहां देखने में अच्छे लगते हैं, लेकिन ये पैरों को तकलीफ देते हैं, अगर हम बात करें फ्लैट फुटवियर की तो ये आपको वाजिब दाम में मिल जाएंगे, जो देखने में तो अच्छे लगते हैं, साथ ही पैरों के लिए भी बहुत कम्फर्टेबल होते हैं। हम आपके लिए कुछ ऐसे ही फ्लैट फुटवियर लाएं हैं।

गोल्डन और ब्लू, पिंक और गोल्डन कलर

ये फ्लैट फुटवेयर्स आपको न्यू लुक देंगे। इस तरह के फुटवेयर्स को आप पिंक और ब्लू कलर की ड्रेस के साथ पहन सकती हैं। इस तरह के फुटवियर को आप जीन्स टॉप और सूट के साथ पहन सकती है। गोल्डन कलर के सूट के साथ आप इस तरह के फुटवियर कैरी कर सकती है। यह फुटवियर आपको स्टाइलिश लुक देंगे। इन फुटवियर को सुंदर बनाने के लिए मोती और स्ट्रीप का प्रयोग किया गया है।

डिजाइन वाले

यूनिक लुक देने के लिए आप इस तरह के डिजाइन वाले फुटवियर पहन सकती हैं। इस तरह के फुटवियर को आप ऑरेंज कलर की स्कर्ट और सूट के साथ पहन सकती हैं। इन फुटवियर को आप वाइट कॉम्बिनेशन की ड्रेस के साथ कैरी कर सकती है। इस तरह के फुटवियर को आप किसी स्पेशल इवेंट या शादी में पहन सकती है। इस तरह के फुटवियर आपको न्यू लुक देंगे।

अंडर-19 विश्व कप : टीम इंडिया ने छठी बार उठाई जीत की ट्रॉफी

इंग्लैंड को 100 रन से हराया, वैभव सूर्यवंशी ने 175 रन बनाए, 15 छक्के लगाए

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने छठी बार अंडर-19 वर्ल्ड कप जीत लिया है। हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए मुकाबले में भारतीय टीम ने इंग्लैंड के सामने जीत के लिए 412 रन की बड़ी चुनौती रखी थी। जवाब में इंग्लैंड के बल्लेबाज कैलेब फाल्कनर ने 67 गेंद में 115 रन की तूफानी पारी खेली। लेकिन उनकी पारी इंग्लैंड को जीत नहीं दिला पाई। फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था।

हालांकि भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही और पिछले मैच के हीरो आरोन जॉर्ज महज 9 रन बनाकर ही पवेलियन वापस लौट गए। उस वक्त भारत का स्कोर चार ओवर में 20 रन ही था। लेकिन इसके बाद कप्तान आयुष म्हात्रे के साथ मिलकर ओपनर वैभव सूर्यवंशी ने इंग्लैंड के गेंदबाजों को निशाने पर ले लिया और महज 55 गेंदों में 8 चौके और 8 छक्कों की मदद से अपना शतक पूरा किया। हालांकि इस बीच कप्तान आयुष म्हात्रे 51 गेंद में 53 रन की पारी खेलकर पवेलियन वापस लौट गए। लेकिन वैभव ने शतक पूरा करने के बाद रन बनाने की रफ्तार को और तेज कर लिया। वैभव ने 80 गेंद में 175 रन की तूफानी पारी खेलकर बड़े स्कोर की नींव रखी। उनकी पारी में 15 चौके और 15 छक्के शामिल रहे। टीम ने शुक्रवार को इंग्लैंड पर 100 रनों की जीत हासिल की। इंग्लैंड की ओर से सेबेस्टियन मॉर्गन और एलेक्स ग्रीन ने 2-2 विकेट झटके। 412 रन का टारगेट चेज कर रही इंग्लिश टीम 40.2 ओवर में 311 रन पर ऑलआउट हो गई। आरएस अंबरीश ने 3 विकेट झटके। दीपेश देवेन्द्रन और कनिष्क चौहान को 2-2 विकेट मिला। इंग्लैंड के कालेब फॉल्कनर ने 67 बॉल पर 115 रन बनाए।

भारत की यह टीम सबसे खतरनाक : धोनी

पूर्व कप्तान एमएस बोले- रोहित-कोहली के लिए कहा, उम्र पैमाना नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। महेंद्र सिंह धोनी ने टी-20 वर्ल्ड कप से पहले मौजूदा भारतीय टीम की जमकर तारीफ की है, लेकिन साथ ही खिलाड़ियों को बाहरी हालात को लेकर सतर्क रहने की सलाह भी दी है। टीम इंडिया के पूर्व कप्तान ने साफ कहा कि विराट कोहली और रोहित शर्मा को वर्ल्ड कप खेलना चाहिए, क्योंकि उनके लिए उम्र कभी भी मापदंड नहीं हो सकती।

भारत टी-20 वर्ल्ड कप का डिफेंडिंग चैंपियन है और टूर्नामेंट की शुरुआत 7 फरवरी से होने जा रही है। इस बीच क्रिकेट कमेंटेटर जतिन सप्रू ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया है। इस वीडियो में धोनी एक कार्यक्रम के दौरान कहते नजर आ रहे हैं कि भारतीय टीम इस समय दुनिया की सबसे खतरनाक टीमों में से एक है। उन्होंने कहा, एक मजबूत टीम में जो भी गुण होने चाहिए, वे सभी इस टीम में मौजूद हैं और खासकर इस फॉर्मेट में टीम के पास काफी अनुभव है। इवेंट के दौरान जब धोनी से रोहित और विराट की बढ़ती उम्र और 2027 वर्ल्ड कप को लेकर सवाल किया गया तो इस पर धोनी ने कहा, सबसे पहली बात यह है कि कोई भी खिलाड़ी अगले वर्ल्ड कप में क्यों नहीं खेलना चाहेगा।

मेरे मुताबिक सिलेक्शन के लिए परफॉर्मेंस और फिटनेस क्राइटेरिया हैं, उम्र नहीं। धोनी ने आगे कहा कि हमेशा यह भावना रहनी चाहिए कि किसी खिलाड़ी को अलग से कुछ बताने की जरूरत न पड़े और सभी के साथ समान व्यवहार हो। उन्होंने अपने करियर का उदाहरण देते हुए कहा कि जब उन्होंने डेब्यू किया था तब वह 24 साल के थे और चाहे कोई खिलाड़ी भारत के लिए एक साल खेले, दो साल या 10-20 साल तक, किसी को आकर उसकी उम्र बताने की जरूरत नहीं है।

दिल्ली सरकार ने शिखर को बनाया 'दिल्ली खेल महाकुंभ' का ब्रांड एंबेसडर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार ने शुक्रवार से शुरु हो रहे पहले दिल्ली खेल महाकुंभ के लिए यूथ आइकन और अर्जुन अवॉर्डी, शिखर धवन को ब्रांड एंबेसडर बनाया है। दिल्ली सरकार के शिक्षा और खेल निदेशालय का उद्देश्य इस मंच के जरिए राजधानी में जमीनी स्तर पर खेलों में भागीदारी को मजबूत करना और प्रतिभा की पहचान करना है। इस टूर्नामेंट का आयोजन राजधानी के सभी 12 जिलों की 16 जगहों पर किया जाएगा जिसमें हजारों युवा एथलीट बास्केटबॉल, फुटबॉल, एथलेटिक्स, कबड्डी, कुश्ती, स्क्वैश और वॉलीबॉल में हिस्सा लेंगे। इस अवसर पर दिल्ली सरकार के शिक्षा और खेल मंत्री आशीष सूद ने कहा कि दिल्ली खेल महाकुंभ को प्रतिभा और खेलों के विकास के लिए एक बदलाव लाने वाले मंच के तौर पर देखा गया है। ब्रांड एंबेसडर के तौर पर शिखर धवन का जुड़ना इस पहल को बहुत अधिक भरोसा और प्रेरणा देता है।

दिल्ली लगातार चौथा फाइनल हारी, मंधाना ने 87, जॉर्जिया ने 79 रन बनाए

बेंगलुरु ने दूसरी बार विमेंस प्रीमियर लीग जीता

नई दिल्ली (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने दूसरी बार विमेंस प्रीमियर लीग जीत लिया है। टीम ने दिल्ली कैपिटल्स को 6 विकेट से हराया। बेंगलुरु 2024 में पहली बार चैंपियन बनी थी। जबकि दिल्ली लगातार चौथा फाइनल हारी है। वडोदरा के कोटाम्बी स्टेडियम में बेंगलुरु ने 2 गेंद रहते ही 204 रन का टारगेट चेज कर लिया। यह डब्ल्यूपीएल फाइनल का का सबसे बड़ा रन चेज है। कप्तान स्मृति मंधाना ने 87 रन की पारी खेली। जबकि जॉर्जिया वोल ने 79 रन बनाए। दोनों ने 92 बॉल पर 165 रन की साझेदारी की। आखिरी ओवर में 10 रन चाहिए थे। राधा यादव और नदीन डी क्लर्क ने शुरुआती दो गेंद पर 2 सिंगल लिए। राधा ने तीसरी गेंद पर चौका लगाया। चौथी गेंद उन्होंने कवर्स की दिशा में खेली, लेकिन उनका बैट स्टंप से टकरा गया। गेंद बाउंड्री के बाहर चली गई, लेकिन गिल्लियां नहीं गिरीं। इस तरह ऋष्टक ने दूसरा टाइटल जीत लिया।

दिल्ली के काम न आई रॉड्रिग्ज की फिफ्टी : दिल्ली से कप्तान जेमिमा रॉड्रिग्ज ने 37 बॉल पर 57 रन बनाए। उनकी पारी में 8 चौके शामिल रहे। उनके अलावा, लौरा वोल्वार्ट 44 और शिनेल हेनरी 35 रन बनाकर नाबाद रहीं। लिजेल ली ने 37 और शेफाली वर्मा ने 20 रन बनाए। इन पारियों के दम पर दिल्ली ने डब्ल्यूपीएल फाइनल का सबसे बड़ा स्कोर बनाया, लेकिन टीम जीत नहीं हासिल कर सकी।

किसे क्या मिला?

टूर्नामेंट जीतने वाली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 6 करोड़ रुपए का इनाम मिला। वहीं, दिल्ली कैपिटल्स को 3 करोड़ रुपए से संतोष करना पड़ा। प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहीं सोफी डिवाइन को 5 लाख रुपए मिले।

बायकॉट के बाद, भारत से मैच के लिए पाकिस्तान ने आईसीसी से शुरू की बात

दुबई (एजेंसी)। आईसीसी और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने 15 फरवरी के गतिरोध पर बातचीत शुरू कर दी है, जब पीसीबी ने फोर्स मेज्योर (एफएम) क्लॉज लागू किया। टी20 वर्ल्ड कप शुरू होने से कुछ घंटे पहले, माना जा रहा है कि दोनों पक्ष कट्टर प्रतिद्वंद्वियों के बीच बड़े मुकाबले पर चर्चा करने पर सहमत हो गए हैं।

यह स्थिति अब बातचीत के चरण तक पहुंच गई है, जब वैश्विक संस्था ने पीसीबी के एक संचार का जवाब दिया, जिसमें आईसीसी द्वारा किसी भी गैर-अनुपालन और अनुपस्थिति के लिए पीसीबी से संभावित नुकसान का दावा करने की बात कही गई थी।

इस घटनाक्रम से जुड़े सूत्रों ने बताया कि आईसीसी ने पीसीबी के संचार का जवाब देते हुए भागीदारी की शर्तों में फोर्स मेज्योर क्लॉज से संबंधित सवाल पूछे और पीसीबी से यह दिखाने के लिए कहा कि उसने फोर्स मेज्योर दावे को कम करने के लिए क्या कदम उठाए हैं। यह बातचीत तब शुरू हुई जब पीसीबी ने औपचारिक रूप से आईसीसी को मैच का बहिष्कार करने के अपने इरादे के बारे में सूचित किया, फोर्स मेज्योर क्लॉज लागू किया, और पाकिस्तान सरकार के एक आदेश का हवाला दिया।

क्रिकेट के 73 नियम बदले 1 अक्टूबर से होंगे लागू

टेस्ट में दिन के आखिरी ओवर में विकेट गिरा तो नया बैटर आएगा

मेलबर्न (एजेंसी)। अब टेस्ट मैच में दिन के आखिरी ओवर में विकेट गिरने पर पूरा ओवर खेलना अनिवार्य कर दिया गया है। क्रिकेट के 73 नियम बदल दिए हैं। इनमें डेड बॉल, ओवरथ्रो, बाउंड्री पर लिए जाने वाले कैच, विकेटकीपर की पोजीशन जैसे कई नियम बदले गए हैं। लेमिनेटेड बैट को सशर्त मंजूरी दी गई है। नए नियम 1 अक्टूबर 2026 से लागू होंगे। 2022 के बाद नियमों में यह सबसे बड़ा अपडेट है।

टेस्ट मैच में दिन का आखिरी ओवर का नियम बदला क्रिकेट नियम बनाने वाले मेरिलबोन क्रिकेट क्लब ने अपनी वेबसाइट पर बताया कि टेस्ट मैचों में दिन का आखिरी ओवर अब हर हाल में पूरा कराया जाएगा। ऐसा न होने से 'खेल का रोमांच कम हो जाता है।' एमसीसी ने कहा, 'यह अनुचित माना गया कि अगर दिन के अंतिम ओवर में गेंदबाजी कर रही टीम विकेट लेती है, तो बल्लेबाजी टीम को नया बल्लेबाज भेजने की जरूरत नहीं पड़ती।' ओवरथ्रो और 'डेड बॉल' की नई परिभाषा एमसीसी ने ओवरथ्रो और मिसफील्ड के बीच के अंतर को स्पष्ट कर दिया है। अब ओवरथ्रो सिर्फ तभी माना जाएगा, जब कोई फील्डर विकेट पर गेंद फेंकता है और वह गेंद आगे निकल जाती है। अगर फील्डर बाउंड्री के पास गेंद रोकने की कोशिश करता है और गेंद हाथ से फिसलकर निकल जाती है, तो उसे ओवरथ्रो नहीं, बल्कि मिसफील्ड कहा जाएगा।

लेमिनेटेड बैट या टाइप-डी बैट वह क्रिकेट बैट होता है, जिसे लकड़ी के दो या तीन टुकड़ों को आपस में जोड़कर तैयार किया जाता है। ये बल्ले पारंपरिक सिंगल-पीस बल्लों की तुलना में सस्ते होते हैं। एमसीसी ने इन्हें ओपन एज क्लब क्रिकेट में इस्तेमाल की मंजूरी दे दी है। वहीं, ओपन एज क्रिकेट उस फॉर्मेट को कहा जाता है जिसमें खिलाड़ियों की उम्र की कोई सीमा निर्धारित नहीं होती और इस स्तर पर सभी उम्र के खिलाड़ी एकसाथ खेल सकते हैं। हिट विकेट के नियम को और साफ किया गया हिट विकेट में कन्फ्यूजन को दूर किया गया है। अब यह समझने में कोई दिक्कत नहीं रहेगी कि बल्लेबाज कब हिट विकेट आउट माना जाएगा और कब नहीं। बॉल और बैट के लिए तय हुए मानक एमसीसी ने मौजूदा और पूर्व महिला खिलाड़ियों से सलाह लेकर जूनियर और महिला क्रिकेट में इस्तेमाल होने वाली गेंदों के लिए नए नियम बनाए हैं। अब गेंदों को तीन साइज में बांटा गया है। साइज-1, साइज-2 और साइज-3।

एमसीसी ही बनाता है नियम : एमसीसी एक प्राइवेट क्रिकेट क्लब है जिसकी स्थापना 1787 में लंदन, इंग्लैंड में हुई थी। इसे दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित और पुराने क्रिकेट क्लबों में से एक माना जाता है। एमसीसी ने 1788 में क्रिकेट के पहले आधिकारिक नियम तैयार किए थे। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल बनने के बाद भी एमसीसी के पास क्रिकेट नियमों का कॉपीराइट है। यही क्रिकेट के नियम बनाती है।

खेल संक्षिप्त

एशियन चैंपियनशिप में मनु-सुरुचि फोगाट लगाएगी निशाना

झज्जर (एजेंसी)। ओलिंपिक में डबल ब्रॉन्ज मेडलिस्ट शूटर अब दिल्ली में होने वाली एशियन शूटिंग चैंपियनशिप में निशाना लगाएगी और देश के लिए मेडल जीतेगी। मनु भाकर और सुरूचि फोगाट बुधवार से होने वाली चैंपियनशिप में पार्टिसिपेट कर रही हैं। एशियन चैंपियनशिप में मनु भाकर डबल इवेंट में भाग लेने जा रही हैं। ओलिंपिक में दो डबल ब्रोंज मेडल जीतने वाली शूटर मनु भाकर झज्जर जिले के गांव गौरियां की रहने वाली हैं। मनु भाकर ने पेरिस ओलिंपिक में सिंगल इवेंट और डबल इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। मनु भाकर पहली ऐसी भारतीय महिला हैं, जिन्होंने ओलिंपिक में डबल मेडल अपने नाम किए हैं। वहीं मनु भाकर खेल रत्न अवॉर्ड से भी नवाजी जा चुकी हैं।

चैंपियनशिप दस दिन चलेगी : दिल्ली में एशियन चैंपियनशिप राइफल/पिस्टल की शुरुआत हुई। राइफल और पिस्टल निशानेबाजों की यह प्रतिष्ठित महाद्वीपीय प्रतियोगिता 10 दिनों तक चलेगी, जिसकी शुरुआत बुधवार से हुई, जबकि अंतिम पदक शुक्रवार, 13 फरवरी 2026 को प्रदान किए जाएंगे।

अनुराग ठाकुर पर हटाया 9 साल पुराना बैन

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बीसीसीआई के पूर्व प्रेसिडेंट अनुराग ठाकुर से लाइफ टाइम बैन हटा दिया है। कोर्ट ने गुरुवार को अपने 9 साल पुराने फैसले को बदला है। उसमें ठाकुर को बोर्ड से दूर रहने को कहा गया था। अब वे भारतीय क्रिकेट के संचालन में बोर्ड के कामकाज में शामिल हो सकेंगे। कोर्ट ने कहा कि उन पर जिंदगी भर का प्रतिबंध लगाना न तो सही था और न ही इसका कोई इरादा था। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अगुवाई वाली बेंच ने कहा- 'यह आनुपातिकता के सिद्धांत को लागू करने का सही मामला है।' बेंच ने यह भी साफ कर दिया कि अनुराग ठाकुर पहले ही बिना शर्त माफी मांग चुके हैं, जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया था। साल 2017 में लोढ़ा कमेटी की सिफारिशों को लागू न करने की वजह से अनुराग ठाकुर को पद से हटाया गया था। लोढ़ा कमेटी के नियमों में आयु सीमा और सरकारी पद जैसे कई कड़े प्रावधान शामिल थे।

हेजलवुड चोट के कारण टी-20 वर्ल्ड कप से बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। आस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड चोट के कारण टी-20 वर्ल्ड कप से बाहर हो गए हैं। वे हमस्ट्रिंग इंजरी से अब तक पूरी तरह उबर नहीं पाए हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने इसकी पुष्टि करते हुए स्पष्ट किया है कि हेजलवुड की जगह फिलहाल टीम में किसी भी खिलाड़ी को शामिल नहीं किया जाएगा। टूर्नामेंट की शुरुआत 7 फरवरी से होगी। ऑस्ट्रेलियाई टीम अपना पहला मुकाबला 11 फरवरी को आयरलैंड के खिलाफ आर प्रेमादासा क्रिकेट स्टेडियम में खेलेगी। ऑस्ट्रेलियाई सिलेक्टर टोनी डोडेमाइड ने कहा, हमें उम्मीद थी कि जोश सुपर-8 स्टेज तक मैच फिट हो जाएंगे, लेकिन उनकी वापसी में अभी और समय लगेगा। उनकी रिकवरी प्रोसेस को तेज करना बहुत बड़ा जोखिम होगा। टीम ऑस्ट्रेलिया ग्रुप बी में शामिल है, जहां उसके साथ श्रीलंका, जिम्बाब्वे, ओमान और आयरलैंड की टीमें हैं।

ईशान को बैटर्स रैंकिंग में 32 स्थान का फायदा, शिवम दुबे टॉप-10 में आए

दुबई (एजेंसी)। भारतीय बैटर ईशान किशन को आईसीसी रैंकिंग में 32 स्थान का फायदा हुआ है। बुधवार को जारी प्लेयर्स रैंकिंग में ईशान 584 रेटिंग पॉइंट्स के साथ 32वें नंबर पर पहुंच गए हैं। ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में पाकिस्तान के सईम अयूब ने पहला स्थान हासिल कर लिया है। उन्होंने जिम्बाब्वे के अनुभवी खिलाड़ी सिकंदर रजा को पीछे छोड़ा।

भारत के शिवम दुबे को भी ऑलराउंडर्स में दो स्थान का फायदा हुआ। वे अब 186 रेटिंग पॉइंट्स के साथ 11वें से नौवें पायदान पर पहुंच गए हैं। टी-20 बल्लेबाजों की टॉप-10 रैंकिंग में भारत के अभिषेक शर्मा पहले स्थान पर बने हुए हैं। इंग्लैंड के जोस बटलर, श्रीलंका के पथुम निसांका, भारत के सूर्यकुमार यादव और न्यूजीलैंड के टिम साइफर्ट को एक-एक स्थान का फायदा हुआ है। वहीं चोट के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ एक भी मैच नहीं खेलने वाले तिलक वर्मा को एक स्थान का नुकसान उठाना पड़ा है। विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया। वे पांच मैचों की सीरीज में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे।

ए प्लस से बी वर्ग में खिसके रोहित-विराट

मुंबई (एजेंसी)। टेस्ट और टी 20 से संन्यास ले चुके पूर्व कप्तान रोहित शर्मा और स्टार बल्लेबाज विराट कोहली भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की अनुबंध सूची में ए प्लस से बी वर्ग में खिसक गए हैं। इस बार किसी भी खिलाड़ी का नाम ए प्लस वर्ग में नहीं है। टेस्ट कप्तान शुभमन गिल, तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और आलराउंडर रवींद्र जडेजा केंद्रीय अनुबंध के ए वर्ग में रखे गए हैं जबकि टी20 कप्तान सूर्य कुमार यादव बी वर्ग में हैं। बीसीसीआई ने साल 2025-26 के लिए केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ियों की सूची को मंजूरी दी, जिसमें कुल 30 पुरुष खिलाड़ियों को जगह दी गई है।

पुरुष खिलाड़ियों की केंद्रीय अनुबंध सूची-ए लिस्ट : *शुभमन गिल, जसप्रीत बुमराह, रवींद्र जडेजा।* ***बी लिस्ट :*** *रोहित शर्मा, विराट कोहली, सूर्यकुमार, वाशिंगटन सुंदर, केएल राहुल, पंड्या, मोहम्मद सिराज, रिषभ पंत, कुलदीप, यशस्वी जायसवाल, श्रेयस अय्यर।* ***सी लिस्ट :*** *अक्षर पटेल, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, शिवम दुबे, संजू सैमसन, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, ध्रुव जुरैल, हर्षित राणा, वरुण चक्रवर्ती, नीतीश कुमार रेड्डी, अभिषेक शर्मा, साई सुदर्शन, रवि बिश्नोई, रुतुराज गायकवाड़।*

बीसीसीआई ने भारतीय अंडर-19 टीम को दिए 7.5 करोड़ रुपए

मुंबई (एजेंसी)। *भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अंडर-19 विश्वकप 2026 का खिताब जीतने वाली भारतीय टीम के लिए साढ़े सात करोड़ रुपए के नकद पुरस्कार की घोषणा की है। बीसीसीआई के मानद सचिव देवजीत सैकिया ने छठी बार अंडर-19 विश्वकप का खिताब जीतने वाली भारतीय टीम, कोचिंग और सपोर्ट स्टाफ और जूनियर क्रिकेट कमेटी के लिए साढ़े सात करोड़ रुपए के नकद पुरस्कार की घोषणा की।*

70 साल बाद ऐतिहासिक पहल, 'विकास भी, विरासत भी' के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही राज्य सरकार

खेजड़ी के लिए बनेगा 'अभेद्य' कानूनी कवच : मुख्यमंत्री

जयपुर (विशेष संवाददाता)। राजस्थान की सांस्कृतिक पहचान और मरुस्थल की जीवनरेखा माने जाने वाले 'खेजड़ी' वृक्ष के संरक्षण के लिए अब राज्य सरकार सख्त कानून लाने जा रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा विधानसभा में इस ऐतिहासिक निर्णय की घोषणा के बाद प्रदेशभर के पर्यावरण प्रेमियों और बिश्नोई समाज में हर्ष व्याप्त है। रविवार रात मुख्यमंत्री निवास पर विभिन्न जिलों से आए संतों और प्रबुद्धजनों ने मुख्यमंत्री का अभिनंदन कर इस निर्णय का स्वागत किया।

दशकों का इंतजार खत्म : मुलाकात के दौरान मुकाम पीठाधीश्वर रामानंद जी महाराज ने कहा कि प्रदेश में करीब 70 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद किसी सरकार ने खेजड़ी की रक्षा के लिए ऐसी ठोस कानूनी पहल की है। उन्होंने इसे आने वाली पीढ़ियों के लिए संजीवनी बताया। वहीं, महंत स्वामी सच्चिदानंद जी ने खुशी जाहिर करते हुए कहा

कि सरकार ने अगस्त 2025 में संतों द्वारा दिए गए सुझावों पर अमल कर जनभावनाओं का सम्मान किया है।

5 साल में 50 करोड़ पौधों का लक्ष्य : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि राज्य सरकार 'विकास भी, विरासत भी' के मंत्र पर अडिग है। मुख्यमंत्री ने मुख्य बिंदु साझा किए-

शीघ्र विधेयक: खेजड़ी संरक्षण विधेयक का ड्राफ्ट तैयार किया जा रहा है, जिसे आगामी सत्र में सदन के पटल पर रखा जाएगा।

हरियालो राजस्थान: 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत अब तक 20 करोड़ पौधे लगाए जा चुके हैं। लक्ष्य इसे 5 साल में 50 करोड़ तक ले जाने का है।

अमृता देवी का आदर्श : सीएम ने कहा कि भगवान जम्भेश्वर जी के 29 नियम और माँ अमृता देवी का बलिदान आज भी विश्व के लिए पर्यावरण संरक्षण का सबसे बड़ा मॉडल है।

भावपूर्ण अभिनंदन : इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने संतों को दुपट्टा ओढ़ाकर और श्रीफल भेंट कर उनका आशीर्वाद लिया। कार्यक्रम में उद्योग एवं वाणिज्य राज्यमंत्री के.के. बिश्नोई सहित जोधपुर, बीकानेर, बाड़मेर और नागौर के कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

एसओजी की 'सर्जिकल स्ट्राइक'

सफेद कोट के पीछे का काला सच, 73 'मुन्नाभाई' रडार पर

विदेशी डिग्रियां और फर्जी सर्टिफिकेट: बिना टेस्ट पास किए बन रहे थे डॉक्टर, मास्टरमाइंड दिल्ली एयरपोर्ट से गिरफ्तार

जयपुर (क्राइम रिपोर्टर)। राजस्थान में मरीजों की जान से खिलवाड़ करने वाले एक बड़े 'डॉक्टर माफिया' का भंडाफोड़ हुआ है। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप ने एक ऐसी साजिश को बेनकाब किया है जिसमें विदेश से एमबीबीएस करने वाले छात्र बिना पात्रता परीक्षा पास किए फर्जी दस्तावेजों के आधार पर अस्पतालों में डॉक्टर बनने की तैयारी कर रहे थे। एसओजी ने इस गिरोह के मास्टरमाइंड को दिल्ली एयरपोर्ट से दबोच

लिया है, जो विदेश भागने की फिराक में था।

विदेश भाग रहा था मास्टरमाइंड, ऐसे चढ़ा हत्थे : एसओजी के अतिरिक्त महानिदेशक विशाल बंसल के अनुसार, इस पूरे गिरोह का मुख्य सूत्रधार भानाराम माली उर्फ भानु (30, निवासी चूरू) है। भानु लंबे समय से थाईलैंड, दुबई और नेपाल जैसे देशों में छिपकर पुलिस को छका रहा था। 2 फरवरी को उसके दिल्ली आने की गुप्त सूचना मिलते ही एसओजी ने जाल बिछाया और 3 फरवरी को उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी फिलहाल 7 फरवरी तक पुलिस रिमांड पर है।

शॉर्टकट से 'डॉक्टर' बनने का खेल : जांच में सामने आया कि मास्टरमाइंड भानाराम खुद विदेश से पढ़ा हुआ है। उसने उन छात्रों को निशाना बनाया जो विदेश से डिग्री तो ले आए, लेकिन भारत में प्रैक्टिस के लिए जरूरी एफएमजीई पास नहीं कर पाए। यह गिरोह मोटी रकम लेकर छात्रों के 'कूटरचित' पासिंग सर्टिफिकेट तैयार करता था। इन्हीं फर्जी कागजों के दम पर राजस्थान मेडिकल काउंसिल में इंटर्नशिप के लिए आवेदन किया जाता था।

73 अभ्यर्थी रडार पर विभाग में हड़कंप

एसओजी ने अब तक ऐसे 73 संदिग्ध अभ्यर्थियों की पहचान की है जिन्होंने फर्जीवाड़े से इंटर्नशिप हासिल की या कोशिश की। 4 फरवरी 2026 को इस मामले में नया केस दर्ज किया गया है।

***जांच का दायरा:** अब उन मेडिकल कॉलेजों और काउंसिल के अधिकारियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है, जिन्होंने बिना वेरिफिकेशन के इन दस्तावेजों को स्वीकार किया।*

***जनस्वास्थ्य पर गंभीर खतरा :** यह केवल कागजी धोखाधड़ी नहीं, बल्कि सीधा मरीजों की जान से जुड़ा मामला है। यदि ये 'फर्जी डॉक्टर' सिस्टम में घुस जाते, तो अस्पतालों में इलाज के नाम पर मौत का खेल शुरू हो सकता था। एसओजी का मानना है कि इस मामले में अभी कई बड़े रसूखदारों और अधिकारियों के नाम सामने आ सकते हैं।*

खुद बना फर्जी डॉक्टर, फिर शुरू किया रैकेट

इस मामले में एक अन्य आरोपी इंद्राज सिंह गुर्जर (27, निवासी करौली) की गिरफ्तारी ने सबको चौंका दिया है। इंद्राज ने खुद दिसंबर 2022 में फर्जी सर्टिफिकेट के आधार पर अलवर के राजीव गांधी मेडिकल कॉलेज से इंटर्नशिप पूरी कर ली थी। डॉक्टर बनने के बाद वह खुद दलाल बन गया और अन्य अभ्यर्थियों को इस दलदल में धकेलने लगा।

12वीं बोर्ड सावधान! 3 विषयों की परीक्षा का समय बदला, अब दोपहर की पारी में होंगे पेपर

अजमेर बोर्ड का बड़ा फैसला; कंप्यूटर विज्ञान, इंफॉर्मेटिक्स और चित्रकला के परीक्षार्थी अब 2 बजे देंगे परीक्षा, अन्य समय यथावत

अजमेर (शिक्षा संवाददाता)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने वर्ष 2026 की उच्च माध्यमिक (12वीं) परीक्षाओं की समय-सारणी में महत्वपूर्ण बदलाव किया है। बोर्ड सचिव गजेंद्र सिंह द्वारा जारी आधिकारिक आदेश के अनुसार, तीन प्रमुख विषयों की परीक्षा अब सुबह के बजाय दोपहर की पारी में आयोजित की जाएगी। बोर्ड ने यह निर्णय प्रशासनिक और प्रबंधकीय कारणों से लिया है।

इन विषयों का बदला समय (दोपहर 2:00 से 5:15 बजे)

संशोधित कार्यक्रम के अनुसार, पहले जो पेपर सुबह 8:30 बजे होने थे, वे अब दोपहर 2:00 बजे से शाम 5:15 बजे तक होंगे। छात्र कृपया इन तिथियों को नोट करें:

17 फरवरी: कंप्यूटर विज्ञान और इंफॉर्मेटिक्स प्रैक्टिसेज

24 फरवरी: चित्रकला

शेष परीक्षाएं सुबह की पारी में ही : बोर्ड ने स्पष्ट किया

है कि इन तीन विषयों के अलावा शेष सभी अनिवार्य और ऐच्छिक विषयों की परीक्षाएं अपने पूर्व निर्धारित समय (सुबह 8:30 से 11:45 बजे) पर ही आयोजित की जाएंगी।

प्रदेश भर में 12वीं की परीक्षाएं 12 फरवरी से शुरू होकर 11 मार्च तक चलेंगी।

सुरक्षा का त्रिस्तरीय घेरा: थानों में रहेंगे पेपर : परीक्षा की गोपनीयता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए बोर्ड ने इस बार कड़े सुरक्षा इंतजाम किए हैं-

पुलिस पहरा: सभी प्रश्नपत्रों को संबंधित क्षेत्रों के पुलिस थानों और चौकियों में सुरक्षित रखा जाएगा।

संवेदनशील केंद्र: प्रदेश के 15 जिलों में 51 केंद्रों को 'संवेदनशील' चिह्नित किया गया है।

सीसीटीवी निगरानी: इन केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों और अतिरिक्त पुलिस जाप्ते के जरिए पल-पल की निगरानी रखी जाएगी।

बोर्ड की सलाह: परीक्षार्थी अपने प्रवेश पत्र पर दिए गए निर्देशों को ध्यान से पढ़ें और संशोधित समय के अनुसार ही केंद्र पर पहुंचें। किसी भी प्रकार के भ्रम की स्थिति में बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट का अवलोकन करें।

हनीट्रैप का खौफनाक जाल : शादीशुदा युवती ने खुद को 'कुंवारी' बता युवक को फंसाया

नारायण विहार थाना पुलिस ने मामला दर्ज किया, ब्लैकमेलिंग के जरिए अब तक लाखों रुपए ऐंठे, अब प्रॉपर्टी के लिए दे रही दुष्कर्म के केस की धमकी

जयपुर (क्राइम रिपोर्टर)। राजधानी के नारायण विहार इलाके में सोशल मीडिया और दोस्ती के नाम पर ब्लैकमेलिंग का एक बेहद गंभीर मामला सामने आया है। एक शातिर शादीशुदा युवती ने खुद को अविवाहित बताकर पहले एक युवक को प्रेम जाल में फंसाया और फिर उसकी सगाई तुड़वा दी। आरोपी युवती यहीं नहीं रुकी, उसने युवक की तस्वीरों के साथ छेड़छाड़ कर उसे ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया और अब वह उससे 25 लाख रुपए के फ्लैट की मांग कर रही है।

फरेब की बुनियाद पर दोस्ती पुलिस को दी गई शिकायत के अनुसार, 28 वर्षीय पीड़ित युवक की मुलाकात कुछ समय पहले संजना (नाम परिवर्तित) से हुई थी। युवती ने

अपनी वैवाहिक स्थिति छिपाई और एक ही जाति का होने का फायदा उठाकर दोनों परिवारों में नजदीकियां बढ़ा लीं। युवक संजना के झांसे में आ गया और उसे अविवाहित समझकर भरोसा कर बैठा। एडिटेड फोटोज से तोड़ा रिश्ता हनीट्रैप का असली खेल तब शुरू हुआ जब युवक की सगाई कहीं और तय हो गई। जैसे ही संजना को इसकी भनक लगी, उसने युवक की 'एडिटेड' (छेड़छाड़ की गई) तस्वीरों के जरिए उसे डराना शुरू कर दिया। युवती ने धमकी दी कि यदि उसने उसकी बात नहीं मानी, तो वह इन तस्वीरों को सोशल मीडिया पर वायरल कर देगी और दुष्कर्म के झूठे मामले में जेल भिजवा देगी। इस बदनामी और प्रताड़ना के चलते युवक की तयशुदा सगाई टूट गई।

कैश के बाद अब प्रॉपर्टी पर नजर ब्लैकमेलिंग के इस जाल में फंसकर पीड़ित अब तक भारी मानसिक और आर्थिक नुकसान झेल चुका है।

नकद वसूली: आरोपियों ने डर दिखाकर अब तक 2 लाख रुपए नकद और 20 हजार रुपए ऑनलाइन ऐंठ लिए हैं।

फ्लैट की डिमांड: अब युवती युवक पर दबाव बना रही है कि वह 25 लाख रुपए कीमत का एक फ्लैट उसके नाम कर दे।

पीड़ित की शिकायत पर नारायण विहार थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने युवती और उसके कुछ संदिग्ध साथियों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस की आईटी टीम तकनीकी साक्ष्यों और कॉल डिटेल्स के आधार पर आरोपियों की लोकेशन ट्रेस कर रही है।

सांगानेर को जाम से 'आजादी' : होली के बाद शुरू होगा निर्माण

भजनलाल सरकार का बड़ा तोहफा : 240 करोड़ की लागत से बनेगा फोरलेन एलिवेटेड रोड

125 अवैध निर्माणों पर चलेगा जेडीए का 'पीला पंजा'

जयपुर (विशेष संवाददाता)। राजधानी के सबसे व्यस्ततम व्यावसायिक और रिहायशी इलाकों में शुमार सांगानेर की तस्वीर अब बदलने वाली है। लंबे समय से ट्रैफिक जाम की समस्या झेल रहे क्षेत्रवासियों को राहत देने के लिए जयपुर विकास प्राधिकरण ने 4.5 किलोमीटर लंबे सांगानेर एलिवेटेड रोड प्रोजेक्ट की तैयारी पूरी कर ली है। फरवरी के इसी महीने में प्रोजेक्ट का वर्कऑर्डर जारी कर दिया जाएगा, जिसके बाद होली के तुरंत बाद धरातल पर निर्माण कार्य की शुरुआत होगी।

वर्तमान में सांगानेर थाने से चौरड़िया पेट्रोल पंप तक जाने में वाहन चालकों को संकरी सड़कों और 7 प्रमुख तिराहों-चौराहों के कारण 25 से 30

मिनट का समय लगता है। एलिवेटेड रोड बनने के बाद यह दूरी मात्र 8 से 9 मिनट में पूरी हो सकेगी। यह प्रोजेक्ट रिंग रोड और टोंक रोड से कनेक्टिविटी को बेहतर बनाएगा, जिससे रोजाना करीब 2 लाख वाहनों को सीधा लाभ मिलेगा।

प्रोजेक्ट का डिजाइन: चौरड़िया पंप पर बंट जाएंगे रास्ते। करीब 240 करोड़ की लागत से बनने वाला यह फोरलेन एलिवेटेड रोड आधुनिक इंजीनियरिंग का नमूना होगा। यह सांगासेतू पुलिया (सांगानेर थाना) से शुरू होकर चौरड़िया पेट्रोल पंप तक जाएगा। चौरड़िया पेट्रोल पंप के पास यह दो भागों में विभाजित होगा। पहला हिस्सा मालपुरा गेट की ओर उतरेगा और दूसरा हिस्सा न्यू सांगानेर रोड पर रेलवे ओवरब्रिज से पहले जाकर मिलेगा।

अतिक्रमण पर एक्शन : 125 निर्माण चिह्नित : प्रोजेक्ट को गति देने के लिए सड़क की चौड़ाई बढ़ाना सबसे बड़ी प्राथमिकता है। जेडीए के सर्वे में सामने आया है कि सड़क सीमा में 125 से अधिक पक्के और कच्चे निर्माण (दुकानें और मकान) बाधक बन रहे हैं।

जेडीए इन संपत्ति स्वामियों को ध्वस्तीकरण के नोटिस जारी करने जा रहा है। सड़क को वर्तमान 60-70 फीट से बढ़ाकर 100 फीट किया जाएगा ताकि पिलर खड़े होने के बाद भी नीचे का ट्रैफिक सुगम बना रहे।

30 महीने की डेडलाइन : मुख्यमंत्री के ड्रीम प्रोजेक्ट में शामिल इस कार्य को पूरा करने के लिए 30 महीने का समय तय किया गया है। जेडीए अधिकारियों के अनुसार, टेंडर दर पर अंतिम सहमति बन चुकी है और कार्यादेश जारी होते ही मशीनें मौके पर पहुंच जाएंगी।

आरएसएस शताब्दी समारोह | मोहन भागवत के मुरीद हुए सलमान, सुभाष घई संग सुनीं राष्ट्रवाद की बातें

कॉलेज छात्र सलमान के फैशन को फॉलो करते हैं, समाज में अच्छे मूल्यों को भी ऐसे ही 'ट्रेंड' बनाना होगा : भागवत

***मुंबई (ब्यूरो)।** मुंबई के नेहरू सेंटर (वर्ली) में आयोजित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी समारोह के पहले दिन एक बेहद दिलचस्प नजारा देखने को मिला।*

बॉलीवुड के सुपरस्टार सलमान खान न केवल संघ के कार्यक्रम में शामिल हुए, बल्कि उन्होंने संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत के संबोधन को बेहद गंभीरता और तल्लीनता से सुना। इस दौरान उनके साथ दिग्गज फिल्म निर्माता सुभाष घई और गीतकार प्रसून जोशी भी मौजूद रहे। अपने संबोधन के दौरान डॉ. मोहन भागवत ने जब समाज पर प्रभावशाली व्यक्तित्वों के असर की बात की, तो उन्होंने सीधे सलमान खान का जिक्र किया। भागवत ने कहा कि 'आज समाज और युवाओं पर सेलिब्रिटीज का गहरा प्रभाव है। कॉलेज के छात्र वही पहनते हैं जो सलमान खान जैसे सितारे पहनते हैं, भले ही उन्हें उसका कारण न पता हो। वे उनके स्टाइल की नकल करते हैं।'

संघ प्रमुख ने आगे जोर देते हुए

कहा कि यदि इसी तरह अच्छे विचारों, संस्कारों और राष्ट्रभक्ति के मूल्यों को समाज में 'फैशन' या 'ट्रेंड' बना दिया जाए, तो देश में सकारात्मक बदलाव बहुत तेजी से आएगा। यह सुनकर सलमान खान के चेहरे पर एक विनम्र मुस्कान देखी गई।

इस दो-दिवसीय व्याख्यानमाला 'संघ यात्रा के 100 वर्ष: नए क्षितिज' में भागवत ने संघ की समावेशी विचारधारा पर प्रकाश डाला। उन्होंने स्पष्ट किया कि संघ का कार्य केवल राष्ट्र की एकता और समाज को संगठित करना है। संघ किसी शक्ति या लोकप्रियता के लिए काम नहीं करता। संघ को समझने के लिए उसे दूर के बजाय करीब से आकर देखना चाहिए।

***बॉलीवुड दिग्गजों की मौजूदगी** : सलमान खान की उपस्थिति ने इस कार्यक्रम को चर्चा का केंद्र बना दिया है। शनिवार को पहले दिन सलमान खान और रणबीर कपूर जैसी हस्तियां नजर आईं, वहीं रविवार को अक्षय कुमार, विक्की कौशल, करण जौहर और रानी मुखर्जी जैसे सितारों ने भी शिरकत की। इसे संघ की 'आउटरीच' यानी समाज के हर वर्ग तक पहुँचने की एक बड़ी पहल के रूप में देखा जा रहा है।*

गहलोत ने जोधपुर के विकास कार्यों में देरी को लेकर मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

जयपुर (विशेष संवाददाता)। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र लिखकर जोधपुर शहर की ऐतिहासिक विरासत, बुनियादी ढांचे और लंबित विकास परियोजनाओं को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की है। गहलोत ने पत्र में बताया कि जोधपुर की सीवरेज व्यवस्था के सुधार के लिए बनाई गई 300 करोड़ रुपए की महत्वपूर्ण योजना वर्तमान में जांच के नाम पर लंबित है। इसके कारण शहर में जलभराव और गंदगी की समस्या गंभीर हो गई है। उन्होंने रानीसर, पदमसर, गुलाबसागर और फतेहसागर जैसे ऐतिहासिक तालाबों के संरक्षण हेतु पूर्व स्वीकृत राशि को तुरंत जारी करने की मांग करते हुए यह आग्रह किया कि सरकार दलगत राजनीति से ऊपर उठकर जनहित में इन परियोजनाओं को गति दे और आगामी बजट में उचित प्रावधान करे। उन्होंने पत्र में कहा कि 100 करोड़ की लागत से बना स्टेट स्पोर्ट्स आवासीय सेंटर तैयार है लेकिन 3.8 करोड़ की बचत राशि की फाइल लंबित होने के कारण स्वीमिंग पूल और इंडोर हॉल का काम अधूरा है। नवनिर्मित हॉस्टल्स को नहीं सौंपे जाने के कारण खिलाड़ी जर्जर भवनों में रहने को मजबूर हैं। सुमेर पब्लिक लाइब्रेरी का नया भवन तैयार है लेकिन बजट और स्टाफ के अभाव में इसका संचालन शुरू नहीं हो पा रहा है। उन्होंने पत्र में जोधपुर की स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली का भी जिक्र किया गया है।

समाचार पत्र 'द पब्लिक हब' के समस्त संपादकीय एवं प्रकाशकीय विषयों पर स्वायत अधिकार सहित प्रकाशक, स्वामी व संपादक: दीपक गोस्वामी,
ए-101 यूनिक टावर, प्रताप नगर, जयपुर-302017, मो. 9828528666 मुद्रक: अम्बर ऑफसेट प्रा. लि., जयपुर info@thepublichub.in, digital@thepublichub.in,
*पीआरबी एक्ट के तहत समाचारों के चयन के लिए जिम्मेदार।